सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

वर्ष- 17 अंक - 211 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 15 मई 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

भाजपा के रथिंद्र बोस निर्विरोध बने पश्चिम बंगाल विधानसभा अध्यक्ष

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा को शुक्रवार को नया स्पीकर मिल गया। भाजपा विधायक रथिंद्र बोस को निर्विरोध विधानसभा अध्यक्ष चुना गया। वह आजादी के बाद पहली बार उत्तर बंगाल से आने वाले ऐसे विधायक बने हैं, जिन्होंने पश्चिम बंगाल विधानसभा के स्पीकर पद की जिम्मेदारी संभाली है।विधानसभा में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने रथिंद्र बोस के नाम का प्रस्ताव रखा, जिसके बाद प्रोटेम स्पीकर तपस रॉय ने ध्वनिमत से मतदान कराया। सदन में मौजूद सभी 207 भाजपा विधायकों ने बोस के समर्थन में आवाज उठाई, जिसके बाद उन्हें आधिकारिक तौर पर विधानसभा अध्यक्ष घोषित कर दिया गया। रथिंद्र बोस कूचबिहार दक्षिण सीट से विधायक हैं। गुरुवार को मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने उन्हें 18वीं पश्चिम बंगाल विधानसभा के स्पीकर पद के लिए भाजपा उम्मीदवार घोषित किया था। वहीं, विपक्षी तृणमूल कांग्रेस ने इस पद के लिए कोई उम्मीदवार नहीं उतारा, जिससे बोस का निर्विरोध चुना जाना तय हो गया था। हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 294 सदस्यीय विधानसभा में 207 सीटों के साथ बड़ी जीत दर्ज की थी। ऐसे में पार्टी के पास स्पष्ट बहुमत होने के कारण बोस का स्पीकर बनना सिर्फ औपचारिकता माना जा रहा था।

बार-बार खुद को साबित नहीं करूंगा, 2027 विश्वकप पर कोहली की दो टूक

नईदिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के

पॉडकास्ट में बातचीत करते हुए विराट कोहली ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर और 2027 वनडे विश्व कप को लेकर खुलकर बात की। विराट ने कहा, 'मेरा नजरिया बिल्कुल साफ है। अगर मैं जिस माहौल का हिस्सा हूं उसमें वैल्यू जोड़ सकता हूं और उस माहौल को भी लगता है कि मैं योगदान दे सकता हूं, तो मैं खेलता रहूंगा। लेकिन अगर मुझे ऐसा महसूस कराया जाए कि मुझे अपनी कीमत और अहमियत साबित करनी है, तो मैं उस जगह पर नहीं रहना चाहता।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं अपनी तैयारी के साथ पूरी तरह ईमानदार हूं। मैं जिस तरह खेल को अपनाता हूं, उसमें पूरी मेहनत करता हूं। भगवान ने मुझे मेरे क्रिकेट करियर में बहुत कुछ दिया है और इसके लिए मैं हमेशा आभारी रहूंगा।'विराट का यह बयान उन चर्चाओं को तूल दे रहा है, जिसमें कहा जा रहा था कि टीम इंडिया में सबकुछ ठीक नहीं है। पिछले साल रोहित शर्मा और उसके बाद विराट कोहली ने अचानक टेस्ट से संन्यास की घोषणा की थी। दोनों अब सिर्फ वनडे खेलते हैं और कई बार यह बात सामने आई कि दोनों का 2027 के वनडे विश्वकप में हिस्सा लेना भी तय नहीं है।

अफवाहों के बीच बढ़ें पेट्रोल डीजल के दाम, तीन रुपए की बढ़ोत्तरी

अप्रैल 2022 के बाद बढ़े दाम, सीएनजी भी हुई महंगी, पंपों में लगी लंबी कतारें

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पेट्रोल डीजल का स्टॉक खत्म होने की अफवाह के बीच तेल कंपनियों ने इनकी कीमतों में बढोत्तरी कर दी है। पेट्रोल और डीजल दोनों के दाम तीन-तीन रुपये प्रति लीटर बढ़ा दिए गए हैं। वैश्विक बाजार में ऊर्जा की जो कीमतें इतनी तेजी से बढ़ी हैं, जिसके कारण तेल कंपनियों को इसके दाम बढ़ाने पड़े हैं। पेट्रोल-डीजल के दामों में आखिरी बार वृद्धि अप्रैल 2022 में हुई थी। यानी लगभग 4 साल तक सरकार ने पेट्रोल व डीजल की दरों को स्थिर रखा है।

बता दें छत्तीसगढ़ में दो दिन से यह अफवाह तेजी से फैली है कि सभी जिलों में पेट्रोल डीजल खत्म हो गया है। इसके बाद गुरुवार को राजधानी रायपुर सहित सभी जिलों में पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लग गई। सरकार ने अफवाहों पर ध्यान देने से मना किया था इसके बाद भी लोग पेनिक होते रहे। वहीं तेल कंपनियों ने इसकी दरें बढ़ा दी। नई दरें शुक्रवार सुबह से लागू हो गई हैं।

छत्तीसगढ़ में पेट्रोल डीजल के दाम

पेट्रोल डीजल की कीमतें बढ़ने के बाद राजधानी रायपुर, दुर्ग भिलाई, बिलासपुर सहित प्रमुख शहरों में कीमतें भी बदल गई हैं। कीमतें बढ़ने के बाद राजधानी रायपुर, दुर्ग भिलाई में इसकी कीमतों में 3 रुपए 11 पैसे की बढ़ोत्तरी हुई है। पहले पेट्रोल की कीमत 100.74 रुपए थी जो अब 103.85 पैसे हो गई। वहीं पहले डीजल की कीमत 93.68 रुपए थी जो अब 96.84 पैसे हो गई। इसी प्रकार पॉवर व प्रीमीयम पेट्रोल की कीमत पहले 109.76 रुपए थी जो अब 112.87 पैसे हो गई है।

महानगरों में कीमतें

देश की राजधानी नई दिल्ली में इस ताजा बढ़ोतरी के बाद आम ग्राहकों की जेब सबसे ज्यादा ढीली होने वाली है। तेल कंपनियों द्वारा तीन रुपये प्रति लीटर की सीधी वृद्धि किए जाने के बाद अब दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की नई कीमत 97.77 रुपये हो गई है। वहीं, अगर हम डीजल की बात करें, तो दिल्ली में अब एक लीटर डीजल के लिए आम ग्राहकों को 90.67 रुपये की कीमत चुकानी होगी। यह बढ़ोतरी राजधानी के लाखों वाहन चालकों और आम जनता के लिए एक बड़ा झटका है। कोलकाता शहर में डीजल के दामों में 3.11 रुपये का भारी इजाफा हुआ है, जिसके बाद वहां एक लीटर डीजल 95.13 रुपये में बिक रहा है। मुंबई में भी डीजल 3.11 रुपये महंगा होकर 93.14 रुपये प्रति लीटर के ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है। इसके अलावा चेन्नई में डीजल की कीमत 2.86 रुपये बढ़ाई गई है, जिससे वहां डीजल का नया और बढ़ा हुआ रेट अब 95.25 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

पेट्रोल पंपों में लगी लंबी कतारें

कीमतें बढ़ने के बाद भी शहर के पेट्रोल पंपों में लंबी कतारें लग गई हैं। राजधानी रायपुर, बिलासपुर, भिलाई दुर्ग सहित तमाम शहरों में पंपों में सुबह से ही कतारें लगी हुई हैं। लोगों को कीमतें बढ़ने से ज्यादा चिंता इसकी है कि कहीं आगे जाकर पेट्रोल डीजल न मिले। यही कारण है कि पंपों में लगातार भीड़ बढ़ रही है। सरकार की अपील को भी लोग नजर अंदाज कर रहे हैं। यही नहीं पंपों भीड़ ऐसी हैं कि संचालक व पंप कर्मी भी इन्हें संभाल नहीं पा रहे हैं। पंपों में मारामारी के हालात बन गए हैं।

सीएनजी की कीमत भी बढ़ी

इसी बीच, सीएनजी की कीमत भी 2 रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ा दी गई है। इसके साथ दिल्ली में सीएनजी की नई कीमत 79.09 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में सीएनजी के दाम 2 रुपये प्रति किलो बढ़ा दिए गए हैं। इस बढ़ोतरी का असर दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद और गुरुग्राम समेत पूरे इलाके में देखा जाएगा। कीमत बढ़ने से ऑटो, टैक्सी और निजी वाहनों का खर्च बढ़ेगा, जिसका असर सीधे आम लोगों की जेब पर पड़ेगा। बता दें तीन दिन पहले भी सीएनजी की दरों में बढ़ोत्तरी हुई थी।

सीएम बोले- प्रदेश में पेट्रोल डीजल का पर्याप्त स्टॉक : अफवाहों से बचे, जरूरत के अनुसार ले ईंधन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेशवासियों से पेट्रोल एवं डीजल की उपलब्धता को लेकर किसी भी प्रकार की चिंता न करने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि छत्तीसगढ़ में पेट्रोल एवं डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है तथा प्रदेश के सभी ऑयल डिपो में नियमित रूप से ईंधन की आपूर्ति की जा रही है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रदेश सरकार एवं ऑयल कंपनियां पूर्ण समन्वय के साथ स्थिति पर लगातार निगरानी बनाए हुए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वैश्विक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए भी भारत सरकार द्वारा प्रभावी तैयारियां सुनिश्चित की गई हैं और ईंधन आपूर्ति को लेकर किसी प्रकार की समस्या नहीं है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी देशवासियों से अनावश्यक खरीदारी एवं संग्रहण से बचने तथा किसी भी अफवाह पर ध्यान न देने की अपील की है। मुख्यमंत्री साय ने प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि वे संयम, जागरूकता और जिम्मेदारी का परिचय दें। केवल आवश्यकता अनुसार ही ईंधन लें तथा किसी भी भ्रामक सूचना या अफवाह से दूर रहें। उन्होंने कहा कि आपकी सजगता, संयम और सहयोग से छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश की ईंधन व्यवस्था निरंतर सुचारू बनी रहेगी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हम सभी मिलकर जिम्मेदार नागरिक होने का परिचय दें और संयम, सहयोग तथा सकारात्मक सोच के साथ राष्ट्रहित में अपना योगदान सुनिश्चित करें।

पहली बार दिल्ली में हाइड्रोजन बसें

नईदिल्ली। राजधानी दिल्ली में पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ परिवहन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। पहली बार, हाइड्रोजन गैस से चलने वाली बसों का संचालन शुरू हो गया है। इंडियन ऑयल

कॉर्पोरेशन ने दिल्ली मेट्रो को दो ऐसी अत्याधुनिक बसें सौंपी हैं। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन 15 मई यानी आज से सेंट्रल विस्टा क्षेत्र में एक एकीकृत हाइड्रोजन चालित शटल बस सेवा शुरू की। यह पहल आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के सहयोग से की गई है।

छत्तीसगढ़ के कई जिलों में जमकर बरसे बदरा, अंधड़ के साथ हुई मुसलाधार बारिश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मौसम ने एक बार फिर करवट ली है। राजधानी रायपुर, भिलाई दुर्ग सहित समेत कई जिलों में मुसलाधार बारिश हुई। वहीं सुबह से बादल छाए हुए हैं और लोगों को उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग ने आने वाले चार दिनों तक प्रदेश के कुछ हिस्सों में तेज हवा, गरज-चमक और हल्की बारिश की संभावना जताई है।

मौसम विभाग ने रायपुर, दुर्ग, भिलाई, बिलासपुर, कोरबा, जशपुर, महासमुंद, बलौदा बाजार, जांजगीर-चांपा समेत कई जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन क्षेत्रों में 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा, आंधी और बारिश की संभावना जताई गई है। वहीं बस्तर संभाग और कुछ अन्य जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम विभाग के अनुसार, अगले कुछ दिनों में प्रदेश के अधिकतम तापमान में करीब 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हो सकती है। इसके चलते 17 मई से मध्य छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में हीट वेव चलने के संकेत दिए गए हैं। बीते 24 घंटों के दौरान प्रदेश के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। सबसे अधिक तापमान राजनांदगांव में 44 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान पेण्ड्रा रोड में 22.8 डिग्री सेल्सियस रहा।

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक दक्षिण-पूर्वी मध्य प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों में चक्रवाती परिसंचरण सक्रिय है। इसके साथ ही पूर्व-पश्चिम द्रोणिका भी बनी हुई है, जिसकी वजह से प्रदेश में नमी और मौसम में बदलाव बना हुआ है। इसी सिस्टम के प्रभाव से गरज-चमक, बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की संभावना है।

नीट यूजी की नई तारीख घोषित, 21 जून को होगा एग्जाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने भारत सरकार की मंजूरी के बाद नीट यूजी 2026 परीक्षा की नई तारीख घोषित कर दी है। अब यह परीक्षा छत्तीसगढ़ समेत पूरे देशभर में रविवार 21 जून को आयोजित की जाएगी। यह निर्णय देशभर में सामने आए पेपर लीक विवाद और परीक्षा रद्द होने के बाद लिया गया है। विवाद के बाद सरकार और परीक्षा एजेंसी ने मिलकर परीक्षा प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनाने का फैसला किया है। नई तारीख के साथ अब छात्रों की तैयारी एक बार फिर तेज हो गई है और परीक्षा को लेकर सभी केंद्रों पर सख्त निगरानी की तैयारी की जा रही है।

छत्तीसगढ़ में भी इस मामले के बाद परीक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता बढ़ा दी गई है।

राज्य के रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग और बस्तर जैसे प्रमुख जिलों में परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा व्यवस्था की गहन समीक्षा की जा रही है। शिक्षा विभाग और स्थानीय प्रशासन मिलकर यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या अनियमितता न हो।

सभी केंद्रों पर सुरक्षा बलों की तैनाती, सीसीटीवी निगरानी और बायोमेट्रिक सत्यापन जैसी व्यवस्थाओं को और मजबूत किया जा रहा है। इसके साथ ही परीक्षा केंद्रों में प्रवेश को लेकर भी सख्त नियम लागू किए जा रहे हैं ताकि केवल अधिकृत परीक्षार्थियों को ही अंदर जाने की अनुमति मिले। प्रशासन का उद्देश्य है कि परीक्षा पूरी तरह शांतिपूर्ण, पारदर्शी और निष्पक्ष माहौल में संपन्न संपन्न हो।

पेपर लीक के बाद बड़ा फैसला, परीक्षा दोबारा कराने पर सहमति

पेपर लीक मामले के बाद केंद्र सरकार स्तर पर एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। यह बैठक केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के आवास पर हुई, जिसमें परीक्षा प्रणाली को और अधिक मजबूत बनाने तथा दोबारा परीक्षा कराने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

मैनपावर घोटाले में ढेबर को राहत नहीं, जमानत याचिका खारीज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने मैनपावर सप्लाई घोटाले में आरोपी अनवर ढेबर की जमानत याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा कि आर्थिक अपराध सामान्य अपराध नहीं होते, बल्कि ये समाज और देश की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने वाली सुनियोजित साजिश होते हैं।

यह मामला सीएसएमसीएल में कर्मचारियों के ओवरटाइम भुगतान में गड़बड़ी से जुड़ा है। श्वष्ठ की जांच में 28.80 लाख रुपए नकद मिले थे। आरोप है कि कर्मचारियों के ओवरटाइम के पैसे में भ्रष्टाचार किया गया। जांच के आधार पर, ष्टक्र ने धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार का केस दर्ज किया है। अनवर ढेबर पर आरोप है कि उन्होंने अपने राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल कर सीएसएमसीएल के कामकाज और पैसों के फैसलों में दखल दिया।

जांच रिपोर्ट के मुताबिक, संस्था को मैनपावर सप्लाई करने वाली निजी एजेंसियों के बिल तब तक पास नहीं किए जाते थे, जब तक वे तय रकम कमीशन के रूप में नहीं देती थीं। जांच में यह भी सामने आया कि शुरुआत में कमीशन तय दर पर लिया जाता था, लेकिन बाद में अनवर ढेबर के निर्देश पर इसे बढ़ाकर बिल राशि का एक-तिहाई या उससे ज्यादा कर दिया गया।

दिल्ली में बस्तर विकास मॉडल पर मंथन

केंद्रीय गृहमंत्री शाह से मुख्यमंत्री साय की मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गुरूवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात कर बस्तर में तेजी से बदल रहे हालात और विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा उपस्थित थे। बैठक में से बस्तर में चल रहे 'मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान' पर चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को बताया कि जिन इलाकों में कभी एम्बुलेंस पहुंचना भी मुश्किल माना जाता था, वहां अब डॉक्टर, दवाइयां और स्वास्थ्य टीमें नियमित रूप से पहुंच रही हैं। दूरस्थ गांवों में पैदल जाकर लोगों की जांच की जा रही है और गंभीर बीमारियों की समय रहते पहचान कर निःशुल्क इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है। मात्र एक महीने में 21.86 लाख से ज्यादा लोगों की स्वास्थ्य जांच हो चुकी है और उनके डिजिटल स्वास्थ्य प्रोफाइल तैयार कर लिए गए हैं। हजारों मरीजों को समय पर उपचार और उच्च अस्पतालों में रेफर किया गया है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जानकारी देते हुए बताया कि जो इलाके कभी नक्सल प्रभाव के कारण मुख्यधारा से कटे हुए थे, वहां आज सरकारी योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंच रहा है। हाल ही में सुकमा के एक अत्यंत दुर्गम गांव से गंभीर मरीज को सैकड़ों किलोमीटर दूर अस्पताल पहुंचाकर उपचार दिलाना इस बदलाव का बड़ा उदाहरण बना है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को बस्तर के लिए तैयार विकास रोडमैप की जानकारी दी। इसमें सड़क, शिक्षा, रोजगार, कौशल विकास और निवेश को बढ़ावा देने पर विशेष फोकस रखा गया है।

संपादकीय

फिर एक निर्भया त्रासदी

महिला सुरक्षा पर दिल्ली बार-बार शर्मसार

चौदह साल पहले दिल्ली में जिस निर्भया कांड ने भारत की अंतरात्मा को झकझोर कर रख दिया था, दिल्ली में एक बार फिर उस जैसी त्रासदी की पुनरावृत्ति हुई है। दिल्ली ने एक बार फिर इस भयावह सच का सामना किया किया है कि वहां की सार्वजनिक जगहें महिलाओं के लिये कितनी असुरक्षित व भयावह बनी हुई हैं। दुर्भाग्य से एक बार फिर वही बस अपराध स्थली बनी है, जो सार्वजनिक आवागमन और सुरक्षा के लिये बनी होती हैं। दिल्ली स्थित नांगलोई में एक प्राइवेट स्लीपर बस के भीतर ड्राइवर और कंडक्टर द्वारा एक महिला के साथ कथित रूप से गैंगरेप की घटना ने सभ्य समाज को गहरे तक विचलित किया है। इस घटना ने एक बार फिर से शासन-प्रशासन, पुलिसिंग और परिवहन नियमों के पालन में हुई भारी चूक का एक जीता-जागता सबूत पेश किया है। निस्संदेह, इस घटना की क्रूरता केवल उस हमले में ही नहीं है, बल्कि उत्पन्न परिस्थितियों की भयानक रूप में जानी-पहचानी प्रकृति में भी है। विडंबना देखिए कि जिस बस को महिलाएं सार्वजनिक यातायात के लिये सुरक्षित मानकर चलती हैं, उसी में यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटित हुई है। एक बार फिर बस अपराधियों के मंसूबों को पूरा करने वाला साधन बनी। इस घटना ने एक बार फिर से उजागर किया है कि जिन लोगों को यात्रियों के सुरक्षित आवागमन की जिम्मेदारी दी गई थी, वे ही कथित तौर पर दरिंदे बनकर सामने आए। हर बार की तरह तुरंत कार्रवाई का दावा करते हुए गिरफ्तारी को तत्काल कदम उठाने के रूप में दर्शाया जा रहा है। जबकि एक हकीकत है कि हमारी व्यवस्था की विद्रूपताएं जस की तस बनी हुई हैं। सही मायनों में देश के हृदय में वर्ष 2012 के जख्म अभी भरे नहीं हैं। विडंबना देखिए कि निर्भया कांड के बाद सरकारों ने तमाम सुधारों के वायदे जनता के सामने किए थे। तब घोषणा की गई थी कि अपराधियों पर नजर रखने के लिये दिल्ली में सीसीटीवी कैमरों की निगरानी को व्यापक रूप दिया गया है। लेकिन परिणाम जस के तस रहे।

> “ दिल्ली स्थित नांगलोई में एक प्राइवेट स्लीपर बस के भीतर ड्राइवर और कंडक्टर द्वारा एक महिला के साथ कथित रूप से गैंगरेप की घटना ने सभ्य समाज को गहरे तक विचलित किया है। इस घटना ने एक बार फिर से शासन-प्रशासन, पुलिसिंग और परिवहन नियमों के पालन में हुई भारी चूक का एक जीता-जागता सबूत पेश किया है। निस्संदेह, इस घटना की क्रूरता केवल उस हमले में ही नहीं है, बल्कि उत्पन्न परिस्थितियों की भयानक रूप में जानी-पहचानी प्रकृति में भी है। विडंबना देखिए कि जिस बस को महिलाएं सार्वजनिक यातायात के लिये सुरक्षित मानकर चलती हैं, उसी में यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटित हुई है। एक बार फिर बस अपराधियों के मंसूबों को पूरा करने वाला साधन बनी।

देश को याद है कि वर्ष 2012 के निर्भया कांड के बाद त्वरित फैसले लेने वाली अदालतों की स्थापना करने की घोषणा की गई थी। इसके अलावा महिला सुरक्षा से जुड़ी तमाम योजनाओं के क्रियान्वयन के लिये व्यापक प्रचार किया गया था। इसके बावजूद एक और निर्भया जैसी घटना बताती है कि अब तक जमीनी हकीकत में बहुत कुछ बदलाव नहीं आया है। देखने में आया है कि तमाम निजी बसें अपर्याप्त निगरानी व लचर सुरक्षा व्यवस्था के साथ चलती रहती हैं। महिला यात्रियों की सुरक्षा के प्रोटोकॉल का पालन अक्सर महज दिखावे के लिये होता है। निस्संदेह, निजी बसों के कर्मचारियों की सख्त जांच के अभाव ने ऐसे वातावरण को तैयार किया है जहां चालक-परिचालक व अन्य अपराधियों की समांतर गुंडागर्दी चलती रहती है। यही वजह है कि गाहे-बगाहे दिल्ली की छवि महिलाओं के लिये असुरक्षित शहर होने के कारण खराब हुई है। जिसका कारण है कि यहां जवाबदेही संस्थागत होने के बजाय सतही तौर पर नजर आती है। यह विडंबना ही है कि हर बार ऐसी घटना के बाद जन आक्रोश में उबाल आता है। लेकिन देखने में आता है कि जल्दी ही राजनीतिक बयानबाजी और कालांतर नौकरशाही की उदासीनता में बदल जाता है। यही वजह है कि महिलाएं इस भय को अपनी नियति मानकर जीने को अभिशप्त हैं। दिल्ली की जागरूक जनता को चाहिए कि वे नांगलोई की घटना को महज एक और गुजरती सुर्खी बनकर न रहने दें। उन्हें इसे ऐसे अपराधों को रोकने की दिशा में एक निर्णायक मोड़ बनाना चाहिए। निस्संदेह, दिल्ली के अधिकारियों को निजी परिवहन संचालकों की व्यापक जांच-पड़ताल करनी चाहिए। जिसमें रियल-टाइम जीपीएस ट्रैकिंग को निजी बसों में अनिवार्य रूप से लागू करना चाहिए। साथ ही निजी बस चालक व परिचालकों की पृष्ठभूमि की कड़ी जांच करनी चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण यह कि सरकारों को समझ लेना चाहिए कि महिलाओं की सुरक्षा महज बयानबाजी व नारे लगाने से सुनिचित नहीं होगी। साथ ही शासन-प्रशासन को घटना के बाद पुलिस कार्रवाई तक सीमित नहीं होना चाहिए। बल्कि अपराध नियंत्रण की दिशा में भी गंभीर पहल होनी चाहिए।

भारत के बच्चों को भोजन के अलावा भी और चीजों की आवश्यकता है

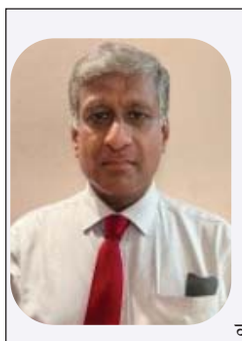

डॉ. सरथ गोपालन

कुछ समय पहले मेरे क्लिनिक में पांच साल की एक बच्ची लाई गई। वह अपनी उम्र के बच्चों की तुलना में विकास के कई चरणों में पीछे लग रही थी। उसकी बोलने की गति धीमी थी और वह अपने हम उम्र बच्चों जितनी सक्रिय या जुड़ी हुई नहीं दिख रही थी। उसके विकास के आकलन में वह तीन साल की बच्ची के स्तर पर पाई गई। उसकी मां बहुत चिंतित थीं। बच्ची बीमार नहीं थी। कोई ऐसी बीमारी या निदान नहीं था जो इसकी वजह समझा सके। लेकिन जब हमने कोविड-19 के पिछले दो वर्षों के बारे में बात की, तो तस्वीर साफ होने लगी। लंबे लॉकडाउन के कारण स्कूल बंद रहे, वह ज्यादातर समय घर पर रही, खेल की जगह स्क्रीन ने ले ली और भोजन पहले की तुलना में अधिक साधारण और सीमित हो गया। उन शांत वर्षों में उसके मस्तिष्क को वह सब नहीं मिल पाया जिसकी उसे बढ़ने के लिए जरूरत थी। वह कोई अपवाद नहीं थी। अलग-अलग क्लिनिकों में बाल रोग विशेषज्ञ और विकास विशेषज्ञ एक ही तरह की स्थिति देख रहे थे-ऐसे बच्चे जो शारीरिक रूप से स्वस्थ थे, लेकिन विकास में पीछे रह गए थे। यह वायरस की वजह से नहीं था, बल्कि उसके बाद पैदा हुई परिस्थितियों की वजह से था।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, मस्तिष्क का 90% विकास पांच वर्ष की आयु से पहले ही हो जाता है, जिससे प्रारंभिक वर्ष बच्चे के संज्ञानात्मक, भावनात्मक और सामाजिक भविष्य को आकार देने का सबसे बड़ा अवसर बन जाते हैं। इस दौरान बनने वाले तंत्रिका संबंध सीखने, भाषा, स्मृति और जीवन भर के लिए लचीलेपन को मजबूत करते हैं।

इस अवधि में सही पोषण प्राप्त करना सबसे शक्तिशाली निवेशों में से एक है जो हम कर सकते हैं। आयरन, जिंक और सेलेनियम जैसे सूक्ष्म पोषक तत्व, जिन्हें अक्सर तंत्रिका पोषक तत्व कहा जाता है, स्वस्थ मस्तिष्क विकास और कार्य के लिए आवश्यक हैं। फिर भी आंकड़े एक चिंताजनक कहानी बयां करते हैं। अकेले आयरन की कमी भारत में पांच वर्ष से कम आयु के लगभग 50% बच्चों को प्रभावित करती है (एनएफएचएस-5)। पांच वर्ष से कम आयु के 67.1% बच्चों में एनीमिया दर्ज किया गया, जो पिछले सर्वेक्षण से अधिक है। 12-59 महीने की आयु के बच्चों के राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधि विश्लेषण सहित हाल के साक्ष्यों से पता चला है कि 60% से अधिक बच्चों में एनीमिया के साथ या उसके बिना सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी थी। यह अकेले हीमोग्लोबिन की संख्या से कहीं अधिक व्यापक पोषण संबंधी अंतर की ओर इशारा करता है।

डोकोसाहेक्सानोइक एसिड (डीएचए), एक ओमेगा-3 फैटी एसिड, मस्तिष्क की संरचना, स्मृति निर्माण और दृश्य विकास में सहायक होता है। कोलीन, एक अन्य आवश्यक पोषक तत्व, अब मस्तिष्क के विकास के लिए अनिवार्य माना जाता है। जब माताएं गर्भावस्था के दौरान कोलीन का सेवन करती हैं, तो यह स्वस्थ जीन गतिविधि और कोशिका संरचना, तथा मस्तिष्क के प्रमुख क्षेत्रों - जिनमें स्मृति और चिंतन के लिए जिम्मेदार क्षेत्र शामिल हैं - के विकास में सहायक होता है। ये पोषक तत्व बच्चे के आहार में वैकल्पिक नहीं हैं, बल्कि उनकी क्षमता के लिए मूलभूत हैं।

बच्चे के जीवन में सबसे महत्वपूर्ण पोषण संबंधी हस्तक्षेप जन्म से पहले ही शुरू हो जाता है। मस्तिष्क का विकास भ्रूण अवस्था में ही शुरू हो जाता है, और मां की पोषण स्थिति सीधे तौर पर उस तंत्रिका आधार को आकार देती है जिससे बच्चा जन्म लेता है। डीएचए गर्भ में तंत्रिका संपर्क को सहारा देता है; गर्भावस्था के दौरान आयरन और फोलिक एसिड का सेवन कम जन्म वजन और विकास में देरी के जोखिम को कम करता है। फिर भी, भारत में केवल 44% गर्भवती महिलाओं ने अनुशंसित 180 या उससे अधिक दिनों तक आयरन-फोलिक एसिड सप्लीमेंट का सेवन किया (एनएफएचएस-5), जो एक बहुत बड़ा और लक्षित करने योग्य अवसर प्रस्तुत करता है।

यही कारण है कि किशोरियों में निवेश करना अगली पीढ़ी में निवेश करना है। एक स्वस्थ लड़की स्वस्थ मां बनती है, और एक स्वस्थ मां अपने बच्चे को सर्वोत्तम संभव शुरुआत देती है। भारत में 59% किशोरियों में एनीमिया की समस्या है, इसलिए स्कूलों, सामुदायिक कार्यक्रमों और लक्षित पूरक आहार के माध्यम से इस समूह को प्राथमिकता देना संपूर्ण स्वास्थ्य सेवा में प्रभावी उपायों में से एक है।

हालांकि पोषण महत्वपूर्ण है, मस्तिष्क के विकास के लिए दो समानांतर इनपुट आवश्यक हैं: पर्याप्त पोषण और भावनात्मक-सामाजिक उत्तेजना। महामारी ने इसे सशक्त रूप से प्रदर्शित किया। यूनिसेफ का अनुमान है कि वैश्विक स्तर पर सात में से एक बच्चे ने कोविड-19 के दौरान विकास या सीखने में महत्वपूर्ण हानि का अनुभव किया, जो मुख्य रूप से बीमारी के कारण नहीं, बल्कि साथियों के साथ मेलजोल, बातचीत और खेल की कमी के कारण हुआ। स्क्रीन ने मानवीय संपर्क का स्थान ले लिया, और भाषा, शारीरिक और सामाजिक विकास प्रभावित हुआ।

संवेदनशील देखभाल, मौखिक संवाद, स्पर्श संबंधी जुड़ाव और एक उत्तेजक वातावरण तंत्रिका तंत्र के लिए महत्वपूर्ण हैं और स्वस्थ मस्तिष्क संरचना के लिए आवश्यक हैं। प्रारंभिक बचपन के कार्यक्रम जो पोषण संबंधी सहायता और विकासात्मक उत्तेजना दोनों को एकीकृत करते हैं, ऐसे परिणाम देते हैं जो इनमें से कोई भी अकेले प्राप्त नहीं कर सकता। भारत की कार्यक्रम संरचना इस पर अमल करने के लिए अच्छी स्थिति में है। पोषण अभियान और पीएम पोषण जैसे कार्यक्रम पहले से ही देश भर में लाखों माताओं और छोटे बच्चों तक पहुंच रहे हैं। पोषण पखवाड़ा जैसी पहल पोषण के इर्द-गिर्द निरंतर, सामुदायिक स्तर पर लामबंदी की शक्ति को दर्शाती है। वितरण संरचना, जिसमें आंगनवाड़ी नेटवर्क, अग्रिम पंक्ति के कर्मचारी और सामुदायिक स्तर पर पहुँच शामिल है, स्थापित है। अब अवसर यह है कि इस ढांचे से मिलने वाले लाभों को और अधिक बढ़ाया जाए।

उचित प्रशिक्षण और सहयोग से, वे शारीरिक विकास पर नज़र रखने से लेकर माता-पिता को प्रारंभिक प्रोत्साहन, संवेदनशील देखभाल और बाल विकास प्रथाओं पर मार्गदर्शन देने तक अपनी भूमिका का विस्तार कर सकते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ के नर्चरिंग केयर फ्रेमवर्क को एकीकृत करना, जो पोषण, स्वास्थ्य, सुरक्षा, प्रारंभिक शिक्षा और देखभाल को एक सुसंगत इकाई में जोड़ता है, इस विकास के लिए एक स्पष्ट और वैज्ञानिक रोडमैप प्रदान करता है। यह लक्ष्य को केवल बच्चों को भोजन कराने से आगे बढ़ाकर उन्हें वास्तव में फलने-फूलने में मदद करने की ओर ले जाता है।

शुरुआती बचपन में पोषण किसी भी देश के लिए सबसे अधिक लाभ देने वाला निवेश है। जब बच्चों को उनके विकसित होते मस्तिष्क के लिए जरूरी सूक्ष्म पोषक तत्व, सही देखभाल का वातावरण और सही मानसिक व सामाजिक प्रोत्साहन मिलता है तो उसका लाभ पूरी जिंदगी मिलता है। ऐसे बच्चे बेहतर विद्यार्थी बनते हैं, आगे चलकर अधिक सक्षम और उत्पादक नागरिक बनते हैं, और समाज भी अधिक मजबूत और सक्षम बनता है। भारत के पास विकसित भारत का सपना है। उसके पास व्यवस्थाएं हैं। उसके पास विज्ञान है। अब जरूरत इस बात की है कि शुरुआती बचपन के पोषण को केवल कल्याणकारी योजना का हिस्सा न माना जाए, बल्कि उसे उस बुनियाद के रूप में देखा जाए, जिस पर बाकी सब कुछ टिका है।

(लेखक,न्यूट्रिशन सोसाइटी ऑफइंडिया (एनएसआई) के अध्यक्ष हैं।)

कठिन हो रहा है आम आदमी का जीवन-यापन

डॉ. जयन्तिलाल भंडारी

क्रिसिल की 'रोटी चावल दर' रिपोर्ट के अनुसार घर पर बनी थाली की कीमतें बढ़ी हैं। रोजमर्रा उपयोग की वस्तुएं-रसोई का सामान, कपड़े और घरेलू उपकरण महंगे हो रहे हैं।

पश्चिम एशिया संकट और अन्य कारणों से भारत में महंगाई बढ़ रही है। 12 मई को राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार भारत में अप्रैल, 2026 में खुदरा महंगाई दर 3.48 प्रतिशत हो गई, जो मार्च की 3.40 प्रतिशत दर से अधिक है। इससे आम जनता का दैनिक जीवन कठिन हो रहा है और अर्थव्यवस्था की विकास दर धीमी पड़ रही है।

प्रधानमंत्री ने वैश्विक ऊर्जा संकट के कारण जनता से पेट्रोल, डीजल और गैस के संयमित उपयोग की अपील की है और मेट्रो, सार्वजनिक परिवहन, इलेक्ट्रिक वाहन, कार पूलिंग, वर्क फ्रॉम होम जैसे उपायों को बढ़ावा देने को कहा है। अर्थ विशेषज्ञ भी भारत को पश्चिम एशिया संकट और वैश्विक अनिश्चितता के लिए सतर्क रहने की सलाह दे रहे हैं। वहीं, आरबीआई के गर्वनर ने महंगाई बढ़ने पर नीतिगत रेपो रेट बढ़ाने की संभावना जताई है।

पश्चिम एशिया संकट के कारण कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि और आपूर्ति बाधाओं से भारत में महंगाई बढ़ रही है। सरकार महंगाई नियंत्रण के उपाय कर रही है, लेकिन नागरिकों को पेट्रोल-डीजल के संयमित उपयोग और अन्य प्रयासों में मदद करनी होगी। एलपीजी सिलेंडरों की बढ़ी कीमतों से व्यवसायों की लागत बढ़ी है, जिसका बोझ उपभोक्ताओं पर पड़ने से महंगाई और बढ़ रही है।

हालांकि, अभी पेट्रोल, डीजल और घरेलू एलपीजी की खुदरा कीमतें वैश्विक पेट्रोलियम उत्पादों की ऊंची कीमतों के कारण बढ़ने की आशंका बनी हुई है। सरकारी तेल कंपनियों को हर माह करीब 30 हजार करोड़ रुपये का घाटा हो रहा है। भारत में महंगाई की दर अभी दुनिया की तुलना में कम है, लेकिन बढ़ने की प्रवृत्ति स्पष्ट है। एशियाई विकास बैंक और ईवाई इंडिया की रिपोर्टों के अनुसार, 2026 में महंगाई दर 6 प्रतिशत से ऊपर स्तर तक पहुंच सकती है।

क्रिसिल की 'रोटी चावल दर' रिपोर्ट के अनुसार अप्रैल, 2026 में घर पर बनी थाली की कीमतें बढ़ गई हैं। आम जीवन की रोजमर्रा की वस्तुएं जैसे रसोई का सामान, कपड़े और घरेलू उपकरण महंगे हो रहे हैं। एफएमसीजी कंपनियां उत्पादों की कीमत बढ़ाने या पैकेट का आकार घटाने पर विचार कर रही हैं। साथ ही, भारतीय मौसम विभाग ने अल नीनो के कारण सामान्य से कम मॉनसून की आशंका जताई है, जिससे कृषि उत्पादन और खाद्य कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है। सरकार ने पश्चिम एशिया संकट के बीच आम आदमी को महंगाई से बचाने के लिए रणनीतिक कदम उठाए हैं। पेट्रोल-डीजल पर उत्पाद कर में कटौती की गई और निर्यात शुल्क बढ़ाया गया ताकि घरेलू ईंधन की कीमतें काबू में रहें। आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू किया गया है, तेल रिफाइनरियां पूरी क्षमता से काम कर रही हैं। इसके अलावा, सरकार ने खाद्य वस्तुओं के बफर स्टॉक बढ़ाए, रणनीतिक बिक्री की और जरूरी आयात को सुविधाजनक बनाया है ताकि महंगाई के प्रभाव को कम किया जा सके।

पश्चिम एशिया संकट के बावजूद भारत के पास महंगाई नियंत्रण की कुछ मजबूत बुनियादी शक्ति है। सरकार की आर्थिक और कूटनीतिक पहलें असर दिखा रही हैं, और विशाल खाद्यान्न भंडार, रिकॉर्ड उत्पादन और 80 करोड़ कमजोर वर्ग को नि:शुल्क वितरण भारत की खाद्य सुरक्षा को मजबूत बनाते हैं। विदेशी मुद्रा भंडार में 690 अरब डॉलर से अधिक की उपलब्धता भी आर्थिक स्थिरता का संकेत है। हालांकि, वैश्विक तेल कीमतें बढ़ रही हैं और नीतिगत हस्तक्षेप की गुंजाइश सीमित है, ऐसे में नागरिकों को पेट्रोल-डीजल का संयमित उपयोग करने की आवश्यकता है।

आशा है सरकार द्वारा पश्चिम एशिया संकट के बीच महंगाई नियंत्रण के मद्देनजर ब्राजील, रूस और वेनेजुएला से कच्चे तेल का अधिक आयात किया जाएगा। पेट्रोल में इथेनॉल का मिश्रण 30 प्रतिशत किया जाएगा। तेल की मांग में कमी करने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) के उपयोग में तेजी लाई जाएगी। सरकार द्वारा गैर विकास कार्यों पर खर्च में कमी के साथ अनावश्यक सब्सिडी में कटौती की जाएगी। सरकार के द्वारा खाद्य तेल के आयात शुल्क में कमी सहित उर्वरकों की उपयुक्त आपूर्ति के लिए आगे बढ़ा जाएगा।

रिजर्व बैंक द्वारा मौद्रिक नीति सख्त करते हुए वर्तमान नीतिगत ब्याज दर (रेपो रेट) को आवश्यकता के अनुरूप बढ़ाया जाएगा। साथ ही सरकार द्वारा कालाबाजारी और जमाखोरी रोकने के लिए आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 को कड़ाई से लागू करना चाहिए। सरकार के बहुआयामी रणनीतिक प्रयासों से ही भारत वैश्विक ऊर्जा संकट का प्रभावी ढंग से सामना कर पाएगा।

लेखक अर्थशास्त्री हैं।

आश्वस्त करने वाली समन्वय की राजनीति

विश्वनाथ सचदेव

यह जानना एक सुखद आश्चर्य ही है कि शुभेन्दु अधिकारी ने 'जय श्रीराम' का नारा लगाने वाले अपने प्रशंसकों को नारा लगाने से रोक दिया। उन्होंने कहा, अब वह सब के मुख्यमंत्री हैं।

देश में चार राज्यों व एक केंद्रशासित प्रदेश के चुनाव संपन्न हो गये। सरकारें भी बन ही गयीं। नए मुख्यमंत्रियों ने अपनी प्राथमिकताएं भी घोषित कर दी हैं। इन घोषणाओं पर ध्यान जाना स्वाभाविक भी है, और जरूरी भी। यूं तो चुनाव कहीं भी हो, महत्वपूर्ण होते हैं, पर इन चुनावों में पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु दो ऐसे राज्य हैं जहां के परिणाम ने चुनावी पंडितों को भी चौंका दिया है। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की पार्टी की हार हैरान कर देने वाली है। तमिलनाडु में भी द्रविड़-राजनीति का अवसान और एक नयी पार्टी का सत्ता में आना आसानी से समझ आने वाली बात नहीं है। राजनीतिक विश्लेषक स्थिति को समझें-समझाएंगे। लेकिन राजनीतिक दलों को भी आत्म- विश्लेषण करना होगा। सोचना मतदाता को भी पड़ेगा कि जो हुआ वह कैसे हो गया।

दोनों राज्यों के नए मुख्यमंत्रियों ने जीत के बाद अपने पहले वक्तव्य में जो कहा वह ध्यान आकर्षित करता है। तमिलनाडु के नये मुख्यमंत्री ने अपने मतदाताओं से 'कुछ समय' मांगते हुए जिस पहले आदेश पर हस्ताक्षर किये हैं, वह है राज्य की जनता को दो सौ यूनिट बिजली मुफ्त देने का है। वैसे यह उनके चुनावी वादों का हिस्सा था, फिर भी जिस तेज़ी से यह घोषणा की गयी है उससे यह स्पष्ट है कि वह अपने मतदाताओं का विश्वास बनाये रखने को प्राथमिकता देने वाले नेता हैं। आज तो सभी राजनीतिक दल और राजनेता रेवड़ियां बांटने वाली इस राजनीति को अपना चुके हैं, पर ज्ञातव्य है कि इस राजनीति की शुरुआत सत्तर साल पहले तमिलनाडु से ही हुई थी। तत्कालीन कांग्रेसी मुख्यमंत्री के. कामराज ने 'मिड डे मील' के रूप में यह प्रथा शुरू की थी। धीरे-धीरे वह सभी राज्यों की रीति-नीति का हिस्सा बन गयी। फिर तो चुनावों में घरेलू ज़रूरत की चीजों और आर्थिक सहायता तक बात पहुंच गयी। देखा जाये तो यह एक तरह से वोट के बदले रिश्वत दिया जाना ही है, पर राजनीति की यह 'रेवड़ी संस्कृति' आज हमारी राजनीति का एक स्वीकृत हिस्सा बन चुकी है। इसमें संदेह नहीं है कि कुछ लाभ भी हैं इस राजनीति के। जैसे स्कूल जाने वाली लड़कियों को साइकिल बांटने से लेकर विद्यार्थियों को मोबाइल, कंप्यूटर तक मुफ्त देना शिक्षा के प्रसार में निश्चित रूप से उपयोगी सिद्ध हुआ है। पर हकीकत यह भी है कि हाल ही में हुए एक सर्वेक्षण में 56 प्रतिशत लोगों ने इस 'मुफ़्तिया नीति' को अनावश्यक बताया है और इसे वोट बटोरने का एक प्रयास कहा है। सर्वेक्षण में भाग लेने वाले 60 प्रतिशत से अधिक लोगों ने इस नीति के राष्ट्र की वित्तीय स्थिति पर कुप्रभाव की चर्चा की है। वित्तीय सहायता बांटने वाली इस राजनीति के कुप्रभाव को लेकर चिंता प्रकट करने वालों का यह भी कहना है कि इससे पर-निर्भरता की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिलता है। उदाहरण के लिए देश की 80 प्रतिशत आबादी को पांच किलो मुफ्त अनाज देने वाली नीति एक अर्से से आलोचना का शिकार हो रही है, लेकिन संबंधित सरकारों को वोट की दृष्टि से यह एक फायदे का सौदा लगता है! लेकिन इसके औचित्य पर उठने वाले सवाल एक गंभीर चिंतन की अपेक्षा करते हैं।

तमिलनाडु के नये मुख्यमंत्री ने मतदाताओं को किए गये वादे को पूरा करने का एक उदाहरण तो प्रस्तुत किया है, पर यह 'मुफ्तिया राजनीति' राजनीतिक भ्रष्टाचार का भी एक उदाहरण है। लोक कल्याणकारी नीतियों का तो स्वागत होना चाहिए, पर मतदाता को नकद राशि देने वाली नीति जब एक तरह की होड़ बन जाये तो यह विषय प्रोत्साहन का नहीं, चिंता का बन जाता है। पर हमारे नेताओं को ऐसी कोई चिंता सताती नहीं है! राजनेताओं को यह चिंता सतानी चाहिए कि लालच देकर वोट खरीदने की जो यह परिपाटी हमारे देश में जड़ें जमा रही है, उसके दुष्परिणामों से कैसे बचा जा सकता है। क्या यह चिंता का विषय नहीं होना चाहिए कि महिलाओं के बैंक खातों में नकद राशि जमा करने की इस होड़ से प्रतिवर्ष देश पर 1.7 लाख करोड़ रुपए का बोझ पड़ रहा है? यह सवाल भी पूछा जाना चाहिए कि इतना पैसा मुफ्त बांटने के बाद विकास-कार्यों के लिए कितना पैसा बचेगा। लोकप्रियता बटोरने का यह तरीका वस्तुत: बहुत महंगा सौदा है। ऐसे सौदे में घाटे में देश रहता है।

और देश को घाटा तब भी होता है जब धर्म के नाम पर वोट दिये और लिये जाते हैं। इस संदर्भ में एक अच्छी बात बंगाल के नये मुख्यमंत्री ने कही है। मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद जब वह एक कार्यक्रम में भाग लेने गये तो वहां उपस्थित लोगों ने 'जय श्रीराम' के नारों के साथ उनका स्वागत-अभिनंदन किया। यह जानना एक सुखद आश्चर्य ही है कि मुख्यमंत्री ने 'जय श्रीराम' का नारा लगाने वाले अपने प्रशंसकों को यह नारा लगाने से रोक दिया। उन्होंने कहा, अब वह सब के मुख्यमंत्री हैं चुनाव-प्रचार के दौरान शुभेंदु अधिकारी लगातार 'जय श्रीराम' का नारा लगाते- लगवाते रहे हैं। चुनाव में विजयी होने के बाद भी उन्होंने अपनी जीत को हिंदुत्व की जीत बताया था।

जय श्रीराम का नारा लगाना कतई ग़लत नहीं है, हज़ारों साल से हिंदू 'जय श्रीराम', 'जय सियाराम' कह कर एक दूसरे का अभिवादन करते रहे हैं। मैंने ऐसे गैर हिंदुओं को भी देखा है जो इस अभिवादन का प्रत्युत्तर 'जय राम जी' की कह कर करते हैं। लेकिन पिछले कुछ दशकों में यह अभिवादन जैसे एक युद्ध-घोष बन गया। कुछ लोग अपने राजनीतिक हितों को दृष्टि में रखकर इसे एक नारे के रूप में काम में लेने लगे। जिन्होंने रामानंद सागर का सीरियल 'रामायण' देखा है, उन्हें भगवान राम की भूमिका निभाने वाले पात्र की मोहक मुस्कान भी याद होगी। यह मुस्कान राम की पहचान है- अभय का आश्वासन देती हुई मुस्कान! राम सबको सन्मति देने वाले हैं। राष्ट्रपिता बापू इसी राम को अपनी प्रार्थना-सभा में स्मरण किया करते थे। पता नहीं कैसे सबको अभय का संदेश देने वाली मुस्कान एक युद्ध घोष के क्रोध में बदल गयी। सड़क से संसद तक 'जयश्री राम' का नारा गूंजने लगा और फिर यह नारा हिंदुत्व की पहचान बन गया। यह नारा लगाना किसी के हिंदू होने का प्रमाण माना जाने लगा। चुनाव-प्रचार के दौरान शुभेंदु अधिकारी की सभा में यह नारा लगाया-लगवाया जाता रहा। अब, जबकि शुभेंदु राज्य के मुख्यमंत्री बन गये हैं, यह जानकर अच्छा लगा कि उन्होंने अपने समर्थकों से कहा कि वह यह जयघोष न लगायें। उन्होंने सही कहा कि अब वह सारे राज्य के, सभी बंगाल निवासियों के मुख्यमंत्री हैं। इसका सीधा-सा अर्थ यह है कि अब उनके सब काम बंगाल के सब नागरिकों के काम होंगे।

यही होना चाहिए। मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री सारे देशवासियों के लिए होते हैं। उनकी राजनीतिक विचारधारा कुछ भी हो, सारे प्रदेश या देश का हित ही उनका हित होता है। हर मुख्यमंत्री का यह दायित्व होता है कि वह राज्य के हर नागरिक के हितों की रक्षा करें। उसके अधिकारों की रक्षा करें। इसलिए शुभेंदु अधिकारी की इस पहल का स्वागत होना चाहिए। यह सही है कि चुनाव-प्रचार के दौरान उनकी सभाओं में 'जय श्री राम' का उद्घोष होता था। लेकिन हमारे भगवान राम किसी के राजनीतिक स्वार्थ की पूर्ति का माध्यम नहीं होने चाहिए। तमिलनाडु और बंगाल के नये मुख्यमंत्री ने जिस तरह शुरुआत की है वह कुछ आश्वस्त करने वाली है। उम्मीद की जानी चाहिए कि इन दोनों राज्यों में समन्वय की राजनीति दिखेगी। हर नागरिक को भारतीय की दृष्टि से देखा जायेगा, धर्म या जाति या वर्ण के आधार पर नहीं। बीजेपी के एक पूर्व अध्यक्ष ने कहा था, उन्हें मुसलमानों के वोटों की आवश्यकता नहीं है, एक मुख्यमंत्री ने अस्सी-बीस की राजनीति की दुहाई दी थी, ग़लत है यह सोच। उम्मीद की जानी चाहिए कि अब यह गलती सुधारने की कोशिश होगी।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

भुईंया पोर्टल में नाम सुधार कराने कृषक ने दिया आवेदन

दुर्ग। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर अभिजीत सिंह ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में डिप्टी कलेक्टर उत्तम ध्रुव भी उपस्थित थे। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, सीसी रोड निर्माण, ऋण पुस्तिका सुधार, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आज 100 आवेदन प्राप्त हुए। इसी कड़ी में ग्राम कोड़िया के ग्रामवासियों ने वार्ड क्रमांक 2 में सड़क, नाली एवं बिजली पोल जैसी मूलभूत सुविधाओं की मांग की। ग्रामवासियों ने बताया कि वार्ड में लगभग 20 से 50 परिवार निवासरत हैं। नाली व्यवस्था नहीं होने से गंदा एवं बारिश का पानी घरों के आसपास जमा हो रहा है, जिससे गंदगी और बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। गली में सड़क निर्माण के बाद पानी निकासी बाधित हो गई है। वहीं सरपंच द्वारा गली में गड्ढा खोद दिए जाने से जलभराव की स्थिति और गंभीर हो गई है। बरसात में लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसकी शिकायत कई बार ग्राम पंचायत एवं सरपंच से की गई, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं हो पाया है।

पॉवर लिफ्टिंग में दुर्ग का जलवा, बारबेरियन जिम के खिलाड़ियों ने जीते 09 स्वर्ण

दुर्ग। दिनांक 9 एवं 10 मई को पॉवर लिफ्टिंग एसोसियेशन छ.ग. एवं सक्ति जिला पॉवर लिफ्टिंग संघ के संयुक्त तत्वाधान में 7वीं राज्य स्तरीय पॉवर लिफ्टिंग प्रतियोगिता का आयोजन जिला सक्ति-मालखैरादा में किया गया। उक्त प्रतियोगिता में दुर्ग की टीम ने भी भाग लिया, प्रतियोगिता में दुर्ग के पॉवर लिफ्टिरो ने अपना वर्चस्व बरकराकर रखा। टीम ने कुल 09 स्वर्ण पदक, तीन रजत पदक तथा दो कांस्य पदक जीतकर इतिहास बनाया है। ये सभी विजेता खिलाड़ी आगामी माह में महाराष्ट्र में होनेवाली राष्ट्रीय स्पर्धा में भाग लेंगें। 56 किलोग्राम वर्ग समूह में सब जुनियर-जीतेश यादव ने स्वर्ण पदक एवं शुभम साहू ने रजत पदक, 56 किलोग्राम वर्ग समूह जुनियर में सुभाष यादव ने स्वर्ण तथा कृष्ण यादव ने रजत पदक, 60 किलोग्राम वर्ग समूह में सब जुनियर-प्रभाष कुमार नेताम ने स्वर्ण पदक, 60 किलोग्राम वर्ग समूह जूनियर में पूर्वज कुमार यादव ने स्वर्ण पदक, 67.5 किलोग्राम वर्गसमूह में मास्टर-02 के खिलाड़ी अरविंद उके ने स्वर्ण पदक तथा जूनियर वर्ग में तुषार सोनी ने रजत पदक, चैतराम सिन्हा ने सीनियर एवं मास्टर की प्रतियोगिता में भाग लेकर 02 स्वर्ण पदक तथा इसी वर्ग मे सीनीयर समीर श्रीवास्तव ने कांस्य पदक हासिल किया।

शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने पुलगांव और उरला हाईस्कूल में विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने दुर्ग विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत पुलगांव और उरला स्थित शासकीय हाईस्कूलों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार हेतु भूमिपूजन किया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश सरकार की संकल्पबद्धता दोहराई।

मंत्री यादव ने बताया कि शैक्षणिक अधोसंरचना का विस्तार किया जा रहा है, जिसके तहत पुलगांव हाईस्कूल यहाँ विद्यार्थियों की सुविधा के लिए 10 नए अतिरिक्त कक्षों का निर्माण किया जाएगा।

इसी प्रकार उरला हाईस्कूल यहाँ अतिरिक्त कक्षों के साथ-साथ एक भव्य हॉल और आधुनिक शौचालय का निर्माण होगा।

उन्होंने कहा कि इन विकास कार्यों से स्कूल में पर्याप्त स्थान उपलब्ध होगा और

विद्यार्थियों को एक बेहतर अध्ययन वातावरण मिलेगा। सरकार का लक्ष्य हर स्कूल को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करना है ताकि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हो सके।

सर्वांगीण विकास पर जोर

मंत्री यादव ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल भवन निर्माण नहीं, बल्कि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास है। विद्यालयों में नए कक्षों के निर्माण से जहाँ छात्रों को सुगम शिक्षण व्यवस्था मिलेगी, वहीं शिक्षकों को भी अध्यापन कार्य में सुगमता होगी। उन्होंने जानकारी दी कि दुर्ग क्षेत्र के अन्य शासकीय स्कूलों में भी संधारण और मरम्मत का कार्य तेजी से कराया जा रहा है।

प्रतिभाओं का सम्मान

कार्यक्रम के दौरान शिक्षा मंत्री ने हाल ही में घोषित परीक्षा परिणामों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा, सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता; निरंतर मेहनत, अनुशासन और समर्पण ही आपको आपके लक्ष्य तक पहुँचाएगा।

इस अवसर पर सभापति श्याम शर्मा, पार्षद अश्वनी निषाद, वरिष्ठ नागरिक श्रीसुरेंद्र कौशिक, अशोक राठी, कौशल साहू, महेन्द्र लोढ़ा, बंटी चौहान, शिव नायक, साजन जोसफ हीरोंदी चंदानिया, हिमांशु सिंह और जिला शिक्षा अधिकारी अरविन्द मिश्रा सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी और शिक्षक उपस्थित थे।

समाधान समारोह 2026

ग्रीष्मकालीन अवकाश में भी उपलब्ध रहेंगे मीडियेटर

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। उच्चतम न्यायालय, भारत द्वारा न्याय को जनसामान्य तक सुलभ, सरल एवं सहभागी स्वरूप में पहुँचाने की अभिनव पहल के अंतर्गत समाधान समारोह, 2026 का आयोजन किया जा रहा है। उक्त अभियान के समापन चरण में दिनांक 21, 22 एवं 23 अगस्त 2026 को विशेष लोक अदालत आयोजित की जाएगी।

इस विशेष लोक अदालत का उद्देश्य उच्चतम न्यायालय में लंबित प्रकरणों का आपसी सहमति, संवाद एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्वरित निराकरण सुनिश्चित करना है, जिससे पक्षकारों को प्रभावी, मानवीय एवं सहज न्याय उपलब्ध कराया जा सके। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा समाधान समारोह को सफल बनाने हेतु आवश्यक तैयारियाँ प्रारंभ कर दी गई हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्रीष्मकालीन अवकाश अवधि के दौरान भी मीडियेटर/मध्यस्थ मध्यस्थता कार्यवाही हेतु उपलब्ध रहेंगे, ताकि

पक्षकारों को उनके प्रकरणों के सौहार्दपूर्ण निराकरण में किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा अधिकाधिक प्रकरणों का आपसी सहमति से निराकरण सुनिश्चित किया जा सके।जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा आमजन, अधिवक्तागण, पक्षकारों एवं समस्त हितधारकों से आग्रह किया गया है कि वे इस महत्त्वपूर्ण अभियान का अधिकतम लाभ उठाते हुए अपने लंबित प्रकरणों के समाधान हेतु सक्रिय सहभागिता प्रदान करें।

विशेष लोक अदालत में पक्षकार अपनी सुविधा अनुसार प्रत्यक्ष रूप से अथवा वर्चुअल माध्यम से सम्मिलित होकर विवादों के निराकरण की प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं।

पुराना बस स्टैंड इंदिरा मार्केट में बनेगी अत्याधुनिक मल्टीलेवल पार्किंग, महापौर ने किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। पुराना बस स्टैंड स्थित इंदिरा मार्केट में प्रस्तावित मल्टीलेवल पार्किंग निर्माण कार्य का महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने निगम अधिकारियों के साथ स्थल निरीक्षण किया। इस अवसर पर लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, शेखर चन्द्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकर,निलेश अग्रवाल, हर्षिका संभव जैन,कार्यपालन अभियंता प्रकाश चंद थवानी,राजेन्द्र ढबाले,पंकज साहू,सिद्धार्थ साहू सहित ठेकेदार मौजूद रहें।

निरीक्षण के दौरान महापौर ने अधिकारियों एवं संबंधित एजेंसी को निर्देशित करते हुए कहा कि निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य प्रारंभ कर गुणवत्ता के साथ निर्माण कार्य पूर्ण कराया जाए ताकि शहरवासियों को शीघ्र बेहतर पार्किंग सुविधा उपलब्ध हो सके।

महापौर अलका बाघमार ने कहा कि शहर में

लगातार बढ़ते यातायात एवं बाजार क्षेत्र में पार्किंग की समस्या को देखते हुए मल्टीलेवल पार्किंग परियोजना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस परियोजना के पूर्ण होने से इंदिरा मार्केट एवं पुराना बस स्टैंड क्षेत्र में यातायात व्यवस्था सुगम होगी तथा आम नागरिकों, व्यापारियों एवं बाहर से आने वाले लोगों को व्यवस्थित पार्किंग सुविधा मिल सकेगी।

बीएसपी द्वारा सीबीएसई बारहवीं के टॉपर्स को किया गया सम्मानित

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा शिक्षा एवं प्रतिभा प्रोत्साहन की दिशा में एक प्रेरणादायी पहल करते हुए सीबीएसई कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। 14 मई, 2026 को इस्पात भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार ने मेधावी छात्र आयुष प्रिया एवं छात्रा अर्पिता यादव को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली पब्लिक स्कूल, भिलाई के छात्र आयुष प्रिया ने सीबीएसई कक्षा 12वीं बोर्ड

परीक्षा में 99.20 प्रतिशत अंक प्राप्त कर दुर्ग जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया, वहीं सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-10 की छात्रा अर्पिता यादव ने 97.20 प्रतिशत अंक अर्जित कर शहर में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

डीपीएस, भिलाई के छात्र आयुष प्रिया, जवाहर लाल नेहरु चिकित्सालय एवं अनुसन्धान केंद्र के एसीएमओ डॉ राजीव प्रिया के पुत्र है जबकि अर्पिता यादव के पिता व्यवसायी हैं। बीएसपी प्रबंधन से संवाद के दौरान आयुष प्रिया ने बताया कि वे आगे बीएस इकोनॉमिक्स के क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं, वहीं अर्पिता यादव ने चार्टर्ड अकाउंटेंसी (सीए) के क्षेत्र में आगे बढ़ने की इच्छा व्यक्त की। राष्ट्रीय स्तर की कराटे प्रतिभागी रह चुकी अर्पिता को स्केचिंग, पेंटिंग एवं हैंडीक्राफ्ट में विशेष रुचि है।

कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) श्री पवन कुमार ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उनकी सफलता को उनके परिश्रम, अनुशासन, समर्पण एवं निरंतर प्रयासों का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे उत्कृष्ट प्रदर्शन न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि होते हैं, बल्कि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनते हैं। मैं विशेष रूप से अभिभावकों एवं शिक्षकों की भी सराहना करना चाहूँगा, जिनके मार्गदर्शन, सहयोग एवं प्रोत्साहन ने विद्यार्थियों को इस मुकाम तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने दोनों विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए निरंतर उत्कृष्टता की ओर अग्रसर रहने के लिए प्रेरित किया।

साइकिल से निरीक्षण पर निकले निगम आयुक्त, लिया जायजा

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने पार्षद विनोद सिंह के साथ जोन-4 खुर्सीपार क्षेत्र का साइकिल से प्रातः निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आई.टी.आई. ग्राउण्ड, श्रीराम वाटिका एवं खुर्सीपार खेल मैदान का जायजा लेकर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने आईटीआई ग्राउंड में हो रहे सौंदर्यकरण एवं विकास कार्य का बारीकी से अवलोकन किया, जल भराव ना हो को दृष्टिगत करते हुए कार्य करने कहा गया है। खेल मैदान में व्यक्तिगत कार्यक्रम कराये जाने पर सफाई

शुल्क सहित किराया लेने कहा गया है जिस मैदान का रखरखाव एवं व्यवस्था बेहतर हो सके । उद्यानों की साफ-सफाई, रखरखाव और नागरिक सुविधाओं की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग करते हुए व्यवस्थाओं में सुधार लाने के निर्देश दिये, ताकि नागरिकों को बेहतर वातावरण और सुविधाएं मिल सकें। आयुक्त ने अधिकारियों को भी साइकिल से प्रातः भ्रमण करने के निर्देश देते हुए कहा कि इससे क्षेत्र की वास्तविक स्थिति का बेहतर आकलन किया जा सकता है तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता भी बढ़ती है। लोगों से अनुरोध किए हैं की प्रति दिवस साइकिल का उपयोग करें जिससे ट्रैफिक्र नियंत्रण, पर्यावरण सुरक्षा के साथ-साथ स्वास्थ्य और आर्थिक बचत भी होगा । निरीक्षण के दौरान जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे, कार्यपालन अभियंता संजय वर्मा, उप अभियंता चंद्रकांत साहू, सहायक राजस्व अधिकारी बालकृष्ण नायडू, जोन स्वास्थ्य अधिकारी हेमंत मांझी, अतुल यादव सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

1 जुलाई से मनरेगा की जगह लागू होगी वीबी जीरामजी योजना

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। केंद्र सरकार ने ग्रामीण विकास एवं रोजगार के क्षेत्र में बड़ा बदलाव करते हुए विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम 2025 को 1 जुलाई 2026 से देशभर के ग्रामीण क्षेत्रों में लागू करने की घोषणा की है। नई व्यवस्था लागू होते ही महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) की जगह वीबी जीरामजी योजना प्रभावी हो जाएगी। नई योजना का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को केवल मजदूरी आधारित रोजगार उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि गांवों में स्थायी विकास एवं आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है। इसके तहत जल संरक्षण, ग्रामीण आधारभूत संरचना, आजीविका संवर्धन, जलवायु अनुकूल कार्य तथा स्थानीय संसाधनों के विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

नई व्यवस्था में प्रत्येक ग्रामीण परिवार को वर्ष में 125 दिनों तक रोजगार की गारंटी मिलेगी, जो पहले 100 दिनों तक सीमित थी। रोजगार के लिए आवेदन ग्राम पंचायतों के माध्यम से किया जाएगा तथा 15 दिनों के भीतर काम उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। निर्धारित समय में रोजगार नहीं मिलने पर पात्र परिवारों को बेरोजगारी भत्ता देने का प्रावधान भी किया गया है। मजदूरी भुगतान प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए राशि सीधे श्रमिकों के बैंक अथवा डाकघर खातों में डीबीटी के माध्यम से भेजी जाएगी। भुगतान में 15 दिनों से अधिक देरी होने पर श्रमिकों को क्षतिपूर्ति राशि भी प्रदान की जाएगी।

आपदा प्रबंधन तथा अन्य ग्रामीण अधोसंरचना निर्माण कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। ग्राम पंचायतों की भूमिका को मजबूत करते हुए विकसित ग्राम पंचायत योजना के जरिए ग्राम सभाओं की भागीदारी से स्थानीय जरूरतों के अनुरूप विकास कार्य तय किए जाएंगे।

जन समस्या निवारण शिविर लोकांगन परिसर में संपन्न

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी पहल ''सुशासन तिहार 2026'' के अंतर्गत वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन एवं निगम आयुक्त राजीव कुमार पांडेय विशेष रूप से उपस्थित रहे। जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आम नागरिकों तक पहुंचाने हेतु 14 मई 2026, गुरुवार को वार्ड क्रमांक 20 वैशाली नगर स्थित लोकांगन परिसर में ''जन समस्या निवारण शिविर'' का आयोजन किया गया है। इस शिविर में वार्ड क्रमांक 14, 15, 16, 19, 20, 26, 27, 28 एवं 29 के नागरिक शामिल होकर विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं का निराकरण तथा योजनाओं का लाभ प्राप्त करने आवेदन भी जमा किये हैं । शिविर

में राष्ट्रीय आयुष मिशन, मेडिकल स्वास्थ्य विभाग, एम.एम.यू. चलित स्वास्थ्य शिविर, महिला एवं बाल विकास विभाग, उज्ज्वला योजना, पशुधन विभाग, राशन कार्ड, पेयजल एवं जल कार्य, लोक कर्म विभाग, नामांतरण एवं लीज डीड फ्री-होल्ड, राष्ट्रीय पेंशन योजना, जन स्वास्थ्य विभाग, प्रधानमंत्री आवास योजना, समाज कल्याण विभाग, आदिम जाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विभाग, श्रम विभाग, ई-श्रमिक कार्ड, वन विभाग, पुलिस सहायता केन्द्र तथा जन मित्र योजना सहित विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए।

शिविर में नागरिकों को स्वास्थ्य जांच, दस्तावेज संबंधी मार्गदर्शन, योजनाओं की जानकारी एवं आवेदन प्रक्रिया में सहायता प्रदान की गई।

निगम प्रशासन द्वारा अधिक से अधिक नागरिकों से शिविर में पहुंचकर शासन की योजनाओं का लाभ लेने एवं अपनी समस्याओं के समाधान हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अपील की गई थी, संबंधित वार्ड के नागरिकों की सहभागिता अच्छी रही ।

टीबी मुक्त दुर्ग बनाने निगम की पहल तेज, हमर अस्पताल में मरीजों को बेहतर सुविधा देने निर्देश

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत नगर पालिक निगम क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में दुर्ग की प्रथम नागरिक महापौर अलका बाघमार ने एमआईसी लीना दिनेश देवांगन, निखिल शर्मा सहित आदि के साथ वार्ड 54 स्थित हमर अस्पताल पोटिया चौक पहुंचकर संभावित टी.बी. मरीजों के लिए संचालित निःशुल्क एक्सरे एवं उपचार व्यवस्था का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान महापौर ने अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं, मरीजों को दिए जा रहे उपचार, जांच व्यवस्था तथा टी.बी. नियंत्रण कार्यक्रम की जानकारी डॉक्टरों एवं स्वास्थ्य कर्मचारियों से ली। उन्होंने अस्पताल परिसर का भ्रमण कर मरीजों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया तथा व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। महापौर अलका बाघमार ने अस्पताल परिषद एवं स्टाफ से मुलाकात कर स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की।

उन्होंने मौजूद चिकित्सकों से संभावित टी.बी. मरीजों की पहचान, निःशुल्क एक्सरे, समय पर जांच एवं उपचार प्रक्रिया के बारे में जानकारी प्राप्त की। साथ ही मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने तथा जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया। इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार ने कहा कि टी.बी. जैसी गंभीर बीमारी को जड़ से समाप्त करने के लिए शासन द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

पीएम-आशा योजना : किसानों को 1.86 करोड़ रुपये का भुगतान

रायपुर। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) के अंतर्गत राजनांदगांव जिले में दलहन एवं तिलहन फसलों की खरीदी सुचा रूप से जारी है। इस योजना ने जिले के किसानों को बिचौलियों से राहत दिलाकर उनकी उपज का सही मूल्य सुनिश्चित किया है। अब तक जिले के 428 किसानों के बैंक खातों में 1 करोड़ 86 लाख रुपये की राशि सफ्लतापूर्वक अंतरित की जा चुकी है। उप संचालक कृषि टीकम सिंह ठाकुर ने बताया कि जिले की 15 प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों और स्वर्ण उपज महिला किसान एफ्मीओ के माध्यम से खरीदी पारदर्शी प्रक्रिया के तहत की जा रही है। अब तक चना 10, हजार 717.50 क्विंटल (8 हजार 942 हेक्टेयर पंजीकृत रकबा), सोयाबीन 7 हजार 350 क्विंटल (399 हेक्टेयर पंजीकृत रकबा), मसूर 1 हजार 510 क्विंटल, सरसों 490 क्विंटल, अरहर 413 क्विंटल निर्धारित समर्थन मूल्य पर खरीदी की गई है। एक नजर में राज्य सरकार द्वारा नाफेड के माध्यम से निम्नलिखित दरों पर खरीदी की जा रही है।

अज़ीम प्रेमजी स्कॉलरशिप : 200 से अधिक बेटियों के सपनों को मिली नई उड़ान

रायपुर। धमतरी जिले की छात्राओं को उच्च शिक्षा के प्रति प्रेरित करने और उनके भविष्य को उज्ज्वल बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर अबिनाश मिश्रा की अध्यक्षता में एक विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विशेष रूप से उन छात्राओं के लिए था, जिनका चयन अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन स्कॉलरशिप के लिए हुआ है। सेमिनार को संबोधित करते हुए कलेक्टर मिश्रा ने कहा कि बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अनिवार्य है। उन्होंने चयनित छात्राओं को बधाई देते हुए कहा, इस छात्रवृत्ति राशि का सदुपयोग अपनी पढ़ाई, कौशल विकास और व्यक्तित्व निर्माण में करें। शिक्षा ही वह एकमात्र माध्यम है जो आपके जीवन की दिशा बदल सकती है। उन्होंने छात्राओं को इंटरनेट पर उपलब्ध रोजगारपरक कोर्सेज का लाभ उठाने और अन्य जरूरतमंद बालिकाओं तक भी इस योजना की जानकारी पहुँचाने के लिए प्रेरित किया।

मोखपाल शिविर में उमड़ा जनसैलाब, 265 आवेदनों का हुआ त्वरित निराकरण

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के सुशासन तिहार अभियान के तहत दंतेवाड़ा जिले के कटेकल्याण विकासखंड स्थित ग्राम पंचायत मोखपाल में भव्य समाधान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में मोखपाल सहित बड़ेगुडरा, छोटेगुडरा, माहराकरका, तेलम, एटेपाल और पखनाचुआ ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और शासन की योजनाओं का सीधा लाभ उठाया। शिविर के दौरान कुल 265 आवेदन प्राप्त हुए। हितग्राहियों को मौके पर ही राशन कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस प्रदा किया और मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया। परिवहन विभाग की ओर से 12 युवाओं एवं ग्रामीणों को उनके ड्राइविंग लाइसेंस सौंपे गए। मत्स्य पालन विभागरू ने एक हितग्राही को स्वरोजगार हेतु फिशिंग किट और जाल प्रदान किया गया।

सुशासन तिहार : संवेदनशील शासन, त्वरित समाधान और जन-विश्वास का नया अध्याय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में आयोजित सुशासन तिहार अब केवल एक प्रशासनिक औपचारिकता नहीं, बल्कि जन-सरोकारों से जुड़ा एक सशक्त जन-आंदोलन बन चुका है। इस अभियान ने शासन और नागरिकों के बीच विश्वास की एक नई और अटूट कड़ी स्थापित की है। सुदूर वनांचलों से लेकर नगरीय निकायों तक, सरकार स्वयं जनता के द्वार पहुँचकर उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित कर रही है।

जनता के द्वार पहुंची सरकार

सुशासन तिहार की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि इसने आम आदमी को दफ्तरों के चक्कर काटने की विवशता से मुक्ति दिलाई है। प्रशासन स्वयं गांव-गांव पहुँचकर शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों, किसानों, महिलाओं और युवाओं के आवेदन सीधे स्वीकार कर रहा है। इन समाधान शिविरों में बड़ी संख्या में मामलों का मौके पर ही निपटारा किया जा रहा है, जो साय सरकार की अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुँचाने की प्रतिबद्धता का जीवंत प्रमाण है।

त्वरित निर्णय और प्रभावी क्रियान्वयन

शिविरों के दौरान प्रशासनिक संवेदनशीलता का अनूठा स्वरूप देखने को मिल रहा है। पेयजल संकट के समाधान हेतु तत्काल नए हैंडपंपों की स्वीकृति हो या अतिरिक्त राशन दुकान, सड़क, बिजली और आवास से जुड़े मामले, निर्णय मौके पर ही लिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री की स्पष्ट मंशा है कि जन-समस्याओं का समाधान समय-सीमा के भीतर हो। इसी के अनुरूप जिला प्रशासनों को जवाबदेह बनाते हुए अधिकारियों को पारदर्शी कार्यप्रणाली अपनाने हेतु निर्देशित किया गया है।

अंतिम पंक्ति के व्यक्ति को मिल रहा सीधा लाभ

राज्य सरकार की योजनाओं का केंद्र बिंदु समाज का वंचित वर्ग है। प्रधानमंत्री आवास योजना से हजारों परिवारों को पक्की छत मिल रही है। महतारी वंदन योजना के जरिए महिलाओं को आर्थिक संबल प्रदान किया जा रहा है। किसानों को सम्मान निधि, आधुनिक उपकरण और सिंचाई सुविधाओं का लाभ निरंतर मिल रहा है। शिविरों में आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, किसान किताब और जॉब कार्ड जैसे आवश्यक दस्तावेजों का तत्काल वितरण सरकार की क्रियान्वयन शक्ति को दर्शाता है।

प्रशासनिक जवाबदेही और पारदर्शिता

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कड़ा संदेश दिया है कि जन-समस्याओं के प्रति लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सुशासन तिहार के दौरान अधिकारियों की जवाबदेही तय की गई है। कलेक्टरों और वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सीधे जनता से संवाद कर समस्याओं का फीडबैक लेना प्रशासनिक पारदर्शिता और जनहित के प्रति उनकी गंभीरता को रेखांकित करता है, जिससे नागरिकों में शासन के प्रति गहरा भरोसा जगा है।

जनभागीदारी से सुदृढ़ होता लोकतंत्र

इस अभियान ने शासन व्यवस्था को अधिक सहभागी और जन-केंद्रित बनाया है। जनप्रतिनिधियों की सक्रियता और ग्रामीणों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने सुशासन तिहार को लोकतंत्र के वास्तविक उत्सव में बदल दिया है। यह पहल केवल शिकायतों के निवारण तक सीमित नहीं है, बल्कि नागरिकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक कर उन्हें विकास की मुख्यधारा में जोड़ने का माध्यम बन रही है।

नए छत्तीसगढ़ की आधारशिला

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सुशासन, पारदर्शिता और जनसेवा छत्तीसगढ़ की सर्वोच्च प्राथमिकता बन गई है। सुशासन तिहार इसी विजन का मूर्त रूप है। आज जब गांवों में समय पर समस्याओं का समाधान और योजनाओं का पारदर्शी लाभ मिल रहा है, तो यह विश्वास और भी प्रबल हो रहा है कि छत्तीसगढ़ तेजी से सुशासन और जनकल्याण के एक स्वर्णिम युग की ओर अग्रसर है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि छत्तीसगढ़ की पावन धरा पर सुशासन तिहार केवल एक प्रशासनिक आयोजन नहीं, बल्कि हमारे संकल्पों की सिद्धि का एक महापर्व है। हमारी सरकार का मूल मंत्र है-''जनता की सेवा ही सर्वोच्च प्राथमिकता''। विगत कुछ समय से आयोजित हो रहे समाधान शिविरों में जिस तरह आप सभी की सक्रिय भागीदारी दिख रही है, वह इस बात का प्रमाण है कि अब शासन और जनता के बीच की दूरियां मिट चुकी हैं। हमने यह सुनिश्चित किया है कि अब आपको अपने हक के लिए दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़े।

भव्य श्रमिक सम्मेलन में गूंजा श्रमिक सशक्तिकरण का संदेश

श्रीकंचनपथ समाचार

योजनाओं से जोड़कर श्रमिकों को सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन देने पर जोर

रायपुर। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप श्रमिकों के सामाजिक सुरक्षा, आर्थिक सशक्तिकरण और सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करने की दिशा में मनेंद्रगढ़ में आयोजित जिला स्तरीय भव्य श्रमिक सम्मेलन जनजागरण और कल्याण का प्रभावी मंच बनकर उभरा। डोमनापारा स्थित गोंडवाना समाज भवन में आयोजित इस सम्मेलन में लगभग 600 निर्माण एवं असंगठित श्रमिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर शासन की विभिन्न श्रमिक हितैषी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। सम्मेलन में श्रमिकों को योजनाओं से जोड़कर उनके जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव लाने और सामाजिक सुरक्षा से आच्छादित करने पर विशेष जोर दिया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने श्रमिकों को राष्ट्र निर्माण की आधारशिला बताते हुए कहा कि शासन श्रमिक परिवारों के जीवन को सुरक्षित, समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार योजनाएं संचालित कर रहा है। उन्होंने श्रमिकों से श्रम विभाग में पंजीयन कराकर योजनाओं का अधिकतम लाभ लेने की अपील की।

सांसद प्रतिनिधि ओमप्रकाश गुप्ता ने कहा कि श्रमिक सम्मेलन केवल औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि श्रमिकों को शासन की योजनाओं, अधिकारों और सुविधाओं से जोड़ने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सुरक्षा, शिक्षा सहायता, पेंशन, मातृत्व सुरक्षा और आर्थिक सहयोग जैसी अनेक योजनाओं के माध्यम से श्रमिक परिवारों के भविष्य को सुरक्षित बनाने का कार्य कर रही है। सम्मेलन के दौरान विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को सहायता राशि के चेक वितरित किए गए।

मुख्यमंत्री मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना के तहत राम सिंह को 1 लाख रुपये, मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना अंतर्गत मालती सिंह को 20 हजार रुपये, मुख्यमंत्री सियान सहायता योजना के तहत कतर सिंह को 20 हजार रुपये, मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा योजना के तहत नरेंद्र परस्ते को 45 हजार रुपये तथा मिनीमाता महतारी जतन योजना के अंतर्गत मंगली बाई को 20 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई। हितग्राहियों ने योजनाओं से मिल रही सहायता को श्रमिक परिवारों के लिए बड़ी राहत बताते हुए शासन के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में श्रमिकों को पंजीयन प्रक्रिया, सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा सहायता, मातृत्व सुरक्षा एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी भी दी गई।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव से छत्तीसगढ़ के अंतरराष्ट्रीय शूटर दिव्यांशु ने की मुलाकात

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव से आज छत्तीसगढ़ के अंतरराष्ट्रीय निशानेबाज दिव्यांशु देवांगन ने मुलाकात की। साव के नवा रायपुर स्थित निवास कार्यालय में हुई मुलाकात के दौरान दिव्यांशु ने अपने अब तक के खेल सफर के बारे में जानकारी दी। उप मुख्यमंत्री ने मिस्र में जूनियर वर्ल्ड कप में स्वर्णिम सफलता पर उन्हें बधाई दी। श्री साव ने उन्हें अगले महीने जर्मनी में होने वाले वर्ल्ड चैंपियनशिप में अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

रायगढ़ के रहने वाले दिव्यांशु देवांगन ने पिछले महीने अप्रैल में मिस्र के काहिरा में हुए जूनियर वर्ल्ड कप में 10 मीटर एयर रायफल शूटिंग में महाराष्ट्र की शांभवी श्रवण क्षीरसागर के साथ मिक्स्ड डबल में स्वर्ण पदक जीता है। इन दोनों ने मिलकर 499.9 अंक का स्कोर कर विश्व रिकॉर्ड भी स्थापित किया। दिव्यांशु अगले महीने जून में जर्मनी के सुहल में होने वाले वर्ल्ड चैंपियनशिप शूटिंग में भारतीय टीम की ओर से भागीदारी करेंगे।

दिव्यांशु दिसम्बर-2025 में भोपाल में आयोजित 68वीं नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में रजत पदक जीत चुके हैं। उन्होंने हाल ही में भोपाल में हुए कुमार सुरेन्द्र सिंह मेमोरियल शूटिंग चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता है।

नियद नेल्ला नार योजना: बस्तर के वनांचल गांवों में पहुँच रही विकास की रोशनी, मुख्य सचिव ने की कार्यों की समीक्षा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव विकासशील ने आज मंत्रालय (महानदी भवन) में राज्य की महत्वाकांक्षी नियद नेल्ला नार योजना के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में मुख्य सचिव ने योजना के तहत बस्तर संभाग के सुदूर वनांचल क्षेत्रों में हुए बदलावों का जायजा लिया और नियद नेल्ला नार 2.0 की आगामी कार्ययोजना पर अधिकारियों के साथ गहन विचार-विमर्श किया।

समीक्षा के दौरान बताया गया कि योजना के माध्यम से बस्तर के अंदरूनी इलाकों तक शासन की पहुंच मजबूत हुई है। वनांचल गांवों तक बिजली लाइनें पहुंचाई गई हैं, जहाँ ग्रामीणों को मुफ्त बिजली कनेक्शन और सोलर लाइट की सुविधा दी गई है। अब अंदरूनी क्षेत्रों के ग्रामीणों को राशन कार्ड, उज्ज्वला गैस कनेक्शन और बैंक पासबुक जैसी बुनियादी सुविधाओं का सीधा लाभ मिल रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्के मकानों का निर्माण और मनरेगा के माध्यम से स्थानीय स्तर पर व्यापक रोजगार उपलब्ध कराया गया है।

बैठक में पिछले दो वर्षों की महत्वपूर्ण प्रगति के आंकड़े प्रस्तुत किए गए। शिक्षा के क्षेत्र में 5 हजार 016 नई प्राथमिक शालाएं और 8 हजार 947 आंगनबाड़ी केंद्र खोले गए हैं। ग्रामीणों को बेहतर चिकित्सा सुविधा देने के लिए चिन्हित गांवों में आयुष्मान मंदिर स्थापित किए गए हैं। डिजिटल और रोड कनेक्टिविटी के तहत 3 हजार 056 गांवों में मोबाइल नेटवर्क पहुँचाया गया है और 85 प्रतिशत बसाहटों को बारहमासी पक्की सड़कों से जोड़ दिया गया है। परिवहन के क्षेत्र में हुए क्रांतिकारी बदलाव की समीक्षा करते हुए बताया गया कि 'मुख्यमंत्री बस सेवा योजना' के तहत बस्तर संभाग के 50 मार्गों पर 52 बसों का संचालन किया जा रहा है। इससे क्षेत्र के 425 गांवों के लोग अपने जीवन में पहली बार बस सेवा का लाभ उठा रहे हैं। मुख्य सचिव ने योजना के अगले चरण यानी 'नियद नेल्लानार 2.0' के लिए अधिकारियों को पुख्ता रोडमैप तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि विकास की गति को और तेज किया जा सके। बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव ऋचा शर्मा, सचिव भीम सिंह, मनरेगा आयुक्त तारण प्रकाश सिन्हा सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

धुरागांव सुशासन तिहार: समाधान के साथ हितग्राहियों को मिली खुशियां

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बस्तर जिले के लोहण्डीगुड़ा विकासखंड अंतर्गत ग्राम धुरागांव में गुरुवार को आयोजित 'सुशासन तिहार 2026' विकास और विश्वास का संगम बना, जहाँ एक ओर जनसमस्याओं के निराकरण हेतु प्राप्त आवेदन पत्रों का समाधान किया गया।

वहीं दूसरी ओर शासन की विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राहियों को लाभान्वित कर सामग्री का वितरण किया गया। शिविर में ग्रामीणों का भारी उत्साह देखने को मिला, जिसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 482 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 479 आवेदन विभिन्न मांगों और 3 आवेदन शिकायतों से संबंधित थे। शिविर के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना के प्रति ग्रामीणों में जबरदस्त रुझान दिखा, जिसके लिए सर्वाधिक 161 आवेदन प्राप्त हुए. इसी कड़ी में 5 चयनित हितग्राहियों को उनके सपनों के घर की 'खुशियों की चाबियाँ' सौंपकर उन्हें गृह प्रवेश की सौगात दी गई। उज्ज्वला गैस कनेक्शन के लिए 60, स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय निर्माण हेतु 46 और ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के अंतर्गत बुनियादी ढांचों के लिए 40 आवेदन प्राप्त हुए, जो ग्रामीणों की मूलभूत सुविधाओं के प्रति जागरूकता को दर्शाते हैं। महिला सशक्तिकरण की दिशा में एनआरएलएम योजना के तहत 10 'लखपति दीदियों' को प्रमाण पत्र वितरित किए गए और स्वयं सहायता समूहों को बैंक ऋण के चेक प्रदान कर आर्थिक रूप से सुदृढ़ किया गया। ग्रामीणों की मांग और शिकायतों के बीच प्रशासन ने मौके पर ही अनेक योजनाओं से लाभान्वित किया गया। राजस्व विभाग द्वारा 10 किसानों को 'किसान किताब', कृषि विभाग द्वारा 10 हितग्राहियों को रागी बीज और मत्स्य विभाग द्वारा 2 लोगों को जाल प्रदान किए गए।

सुशासन तिहार: ग्रामीणों की समस्याओं का हुआ त्वरित समाधान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बस्तर जिले के जनपद पंचायत दरभा अंतर्गत ग्राम पंचायत चिंगपाल के बाजार चौक पर गुरुवार को सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया, जिसने शासन और जनता के बीच संवाद के साथ विकास कार्यों के लिए सेतु का मार्ग प्रशस्त किया।

क्लस्टर स्तरीय इस आयोजन में न केवल चिंगपाल बल्कि लेंड्रा, नेगानार, कामानार, तिरथगढ़, कोटमसर और ककनार जैसी 14 समीपवर्ती ग्राम पंचायतों के ग्रामीण और जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में एकत्रित हुए। सुबह से ही बाजार चौक पर उत्साह का माहौल रहा, जहाँ शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को सीधे हितग्राहियों तक पहुँचाने के लिए प्रशासनिक अधिकारी और विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। शिविर का शुभारंभ क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ, जिसमें जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मानदई कश्यप, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती सम्पती नाग और जनपद उपाध्यक्ष हरी प्रसाद कश्यप सहित अन्य वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने शिरकत की।

शिविर की विशेषता यह रही कि यहाँ ग्रामीणों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं से लाभान्वित किया गया, एक ओर जहाँ राजस्व विभाग द्वारा भूमि पट्टों का वितरण किया गया, वहीं दूसरी ओर स्वास्थ्य विभाग द्वारा लोगों का उपचार कर उन्हें निःशुल्क दवाइयाँ प्रदान की गईं। शिविर के दौरान राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड और श्रम पंजीयन जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेजों को बनाने और उनमें सुधार करने का कार्य भी त्वरित गति से किया गया, जो ग्रामीणों के लिए काफी सहूलियत भरा साबित हुआ। इस दौरान अधिकारियों ने ग्रामीणों से न केवल आवेदन स्वीकार किए, बल्कि कई समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया।

उद्यान विभाग द्वारा ग्रामीणों को उन्नत किस्म के पौधों और बीज मिनीकिट का वितरण किया गया, तो वहीं मत्स्य विभाग ने कीट वितरण कर मछुआरों को प्रोत्साहित किया।

शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया, जो पूरे आयोजन का आकर्षण केंद्र रहा।

इस मौके पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रतीक जैन और एसडीएम तोकापाल शंकर लाल सिन्हा ने शिविर में लगाए गए विभागीय स्टालों का निरीक्षण करते हुए ग्रामीणों से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना।

बिहान से जुड़कर चुकाया कर्ज, अब आत्मनिर्भरता की राह पर बढ़ा पूरा परिवार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। अक्सर कहा जाता है कि छोटी-छोटी बचत बड़े सपनों को साकार करने की ताकत रखती है। राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम सिंघोला की श्रीमती सीमा साहू ने इस कहावत को अपने जीवन में सच साबित कर दिखाया है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' से जुड़कर उन्होंने न केवल आर्थिक संकट से बाहर निकलने का रास्ता बनाया, बल्कि आत्मनिर्भरता और महिला सशक्तिकरण की नई मिसाल भी कायम की।

एक समय ऐसा था जब परिवार की जरूरतों और सामाजिक जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए सीमा साहू को साहूकार से ऊंचे ब्याज पर कर्ज लेना पड़ा था। गांव में पहले से संचालित महिला स्व-सहायता समूहों से प्रेरित होकर सीमा साहू ने स्वयं आगे बढ़कर अपना समूह बनाया और 10 महिलाओं को उससे जोड़ा। चंद्रहासिनी स्व-सहायता समूह के माध्यम से उन्हें प्रारंभिक तौर पर संकुल से 15 हजार रुपए की सहायता राशि मिली। समूह की महिलाओं ने भी उनकी परिस्थिति को समझते हुए आर्थिक सहयोग किया। सीमा साहू बताती हैं कि उन्होंने धीरे-धीरे छोटी बचत को अपनी आदत बना लिया। इसी बचत और समूह से मिले सहयोग के बल पर उन्होंने पूरा ऋण चुका दिया। इसके बाद उन्होंने खेती-किसानी की ओर कदम बढ़ाया और रेगहा की भूमि पर खेती शुरू की। कृषि मित्र के रूप में जैविक खेती से भी जुड़कर उन्होंने अपनी आय के नए स्रोत तैयार किए। आज वे सिलाई व्यवसाय से हर महीने लगभग 8 हजार रुपए तक की आय अर्जित कर रही हैं।

कान फिल्म फेस्टिवल में छाईं आलिया

आलिया भट्ट अब कान फिल्म फेस्टिवल में रंग जमाने पहुंच चुकी हैं। अभिनेत्री ने ओपनिंग सेरेमनी में लॉरियल पेरिस की एंबेसडर के रूप में रेड कार्पेट पर जलवा बिखेरा। पहले तो उन्होंने अपने बार्बी लुक से फैंस को घायल किया और अब अपने दूसरे लुक की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की हैं, जिसमें वह पीच कलर का बॉडी-हगिंग गाउन पहने नजर आ रही हैं और यह लुक उन पर बेहद जंच रहा था।

रिया कपूर द्वारा स्टाइल किए गए तमारा राल्फ के कस्टम मेड गाउन में आलिया बेहद स्टाइलिश और फैशनेबल लग रही थीं। कान्स में पहले लुक से डिज्नी प्रिंसेस जैसी वाइब बिखेरने के बाद, आलिया ने अपने दूसरे लुक से सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। जिस पर रिएक्ट करते हुए कई सोशल मीडिया यूजर एक्ट्रेस की तारीफ करते भी दिखे।

इस साल रेड कार्पेट पर आलिया ने पीच कलर का बॉडी-हगिंग गाउन पहना था, जिसमें सेंटर में डीप इल्यूजन डिटेल के साथ स्वीटहार्ट नेकलाइन था। गाउन का सिल्हूट स्लीक, स्ट्रक्चर्ड और एलिगेंट था, जो आलिया के पूरे लुक में चार चांद लगा रहा था।

ड्रेस में लटकते शिफॉन के ड्रेप्स ने इस ड्रेस को और भी खूबसूरत बना दिया, जो आलिया के लुक में ग्रेस को एड कर रहा था। पीच के पेस्टल शेड ने पूरे लुक को फ्रंश और सोफिस्टिकेटेड बनाए रखा। यह एक ऐसी ड्रेस थी जिसमें जिसे परफेक्ट कट्स और ड्रेपिंग टेक्निक्स के साथ तैयार किया गया था। ज्वेलरी की बात करें तो आलिया भट्ट ने अपने दूसरे कान 2026 के रेड कार्पेट लुक को एक खूबसूरत स्टेटमेंट नेकलेस के साथ पूरा किया, जिसमें चमकीले हीरों के साथ पीच कलर के रत्न जड़े हुए थे।

ये नेकलेस आलिया के तमारा राल्फकॉउचर गाउन के साथ मैच कर रहा था, जिससे पूरे लुक में विंटेज ग्लैमर जुड़ गया।

वहीं मेकअप की बात करें तो ड्रेस को ध्यान में रखते हुए उन्होंने खूबसूरत न्यूड पिंक लिपस्टिक के साथ ग्लोइंग मेकअप किया था साथ ही आंखों को हल्के से डिफाइन किया और पिंक ब्लश का इस्तेमाल किया। वहीं आलिया ने अपने बालों को ब्लो-ड्राई करके बीच से मांग निकालकर भरपूर वॉल्यूम दिया, जो काफी खूबसूरत लग रहा था।

ऑफ शोल्डर ड्रेस में तारा सुतारिया ने लगाया बोल्डनेस का तड़का

बीते दिन 12 मई से 79वें कान फिल्म फेस्टिवल का आगाज हुआ। यह फेस्टिवल 23 मई तक चलेगा। दुनियाभर की सिनेमा और फैशन इंडस्ट्री की हस्तियां यहां पहुंच रही हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने वहां शिरकत की है और अपने लुक से लगातार सुर्खियां बटोर रही हैं। उनके अलावा तारा सुतारिया ने भी इस प्रतिष्ठित फिल्म फेस्टिवल में हिस्सा लिया है। उनका लुक सामने आया है।

विंटेज लुक में छाईं तारा

तारा सुतारिया कान फिल्म महोत्सव के दूसरे दिन नजर आईं। बोल्ड और विंटेज लुक से उन्होंने उपस्थिति दर्ज कराई है। तारा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से पोस्ट शेयर किया है। साथ ही लिखा कि इस फेस्टिवल में हिस्सा लेकर वे बेहद सम्मानित महसूस कर रही हैं।

बोलीं- 'कल के पल होंगे खास'

तारा ने कैप्शन लिखा है, 'कान फिल्म फेस्टिवल में आमंत्रित होकर सम्मानित महसूस कर रही हूं। यहां रेड सी फिल्म फाउंडेशन के 'वुमन इन सिनेमा गाला' में सम्मानित होकर बेहद उत्साहित हूं। कल शाम एक बहुत बड़ा पल होगा। आप लोग जुड़े रहिएगा। तब तक के लिए, पहले दिन के कुछ पल।

रेड कार्पेट पर बिखेरेंगी जलवा

तारा सुतारिया ने अपने पहले दिन के लुक से ही लाइमलाइट लूट ली है। वे रेड कार्पेट पर जलवा बिखेरने वाली हैं। देखना होगा कि वे किस अंदाज में शिरकत करेंगी।

काले चश्मे ने जड़ दिए चार चांद

तारा ब्लैक एंड व्हाइट ऑफ शोल्डर गाउम में दिखी हैं। पर्ल ईयरिंग्स से उन्होंने अपना लुक कंपलीट किया है। काला चश्मा लगाकर वे पोज देती दिखी हैं।

नेटिजंस बोले- 'कल का इंतजार है'

तारा के इस लुक की नेटिजंस भी तारीफ कर रहे हैं। साथ ही सेलेब्स भी रिएक्शन दे रहे हैं। दिशा पाटनी ने लिखा है, 'खूबसूरत'। वहीं, यूजर्स लिख रहे हैं, 'हमें कल के लुक का बेसब्री से इंतजार है'। तारा के वर्कफ्रंट की बात करें तो वे फिल्म 'टॉक्सिक' में नजर आएंगी।

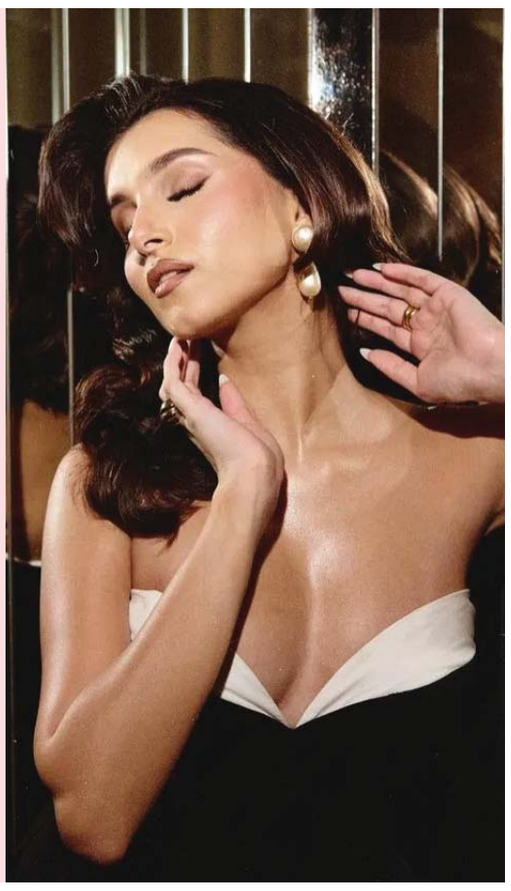

विद्या-राशि संग बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने आ रहे अक्षय कुमार

अक्षय कुमार और विद्या बालन अपनी चौथी फिल्म के साथ सिनेमाघरों में धमाल मचाने वाले हैं। बीते कुछ हफ्तों पहले ही इस जोड़ी ने नए अंदाज में अपनी आगामी प्रोजेक्ट का एलान किया था और फैंस को बताया कि वे नए प्रोजेक्ट के लिए एक साथ आ रहे हैं। इससे पहले वे भूल भुलैया (2007), हे बेबी (2007), और मिशन मंगल (2019) जैसी हिट फिल्मों में एक साथ नजर आ चुके हैं। अब अनीस बज्मी की निर्देशित और दिल राजू द्वारा निर्मित एक नई कॉमेडी-ड्रामा फिल्म के लिए फिर से साथ आने को तैयार हैं। मेकर्स ने इस अनटाइटल्ड फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा हटाया है।

वेंकटेश्वर क्रिएशन्स ने अपने ऑफिशियल एक्स (पूर्व में ट्विटर) हैंडल पर अपनी इस अनटाइटल्ड फिल्म की रिलीज डेट का एलान किया और यह कहकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी कि और भी अपडेट जल्द ही आएंगे।

श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स ने अनाउंसमेंट करते हुए कहा कि अनीस बज्मी की निर्देशित अक्षय कुमार और विद्या बालन की आगामी कॉमेडी फिल्म 4 दिसंबर, 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कुछ दिन पहले, अक्षय कुमार ने इंस्टाग्राम पर अपनी, विद्या बालन और राशि खन्ना के साथ एक तस्वीर शेयर की। इस तस्वीर में तीनों ही मुस्कुराते हुए कैमरे के लिए पोज देते हुए नजर आ रहे थे। इस पोस्ट के जरिए खिलाड़ी कुमार ने फिल्म के बारे में अपडेट देते हुए कहा कि उन्होंने केरल में अपने शूट का शेड्यूल पूरा कर लिया है। कैप्शन में उन्होंने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि किसी खूबसूरत जगह पर बेहतरीन लोगों के साथ काम करने से बेहतर और कुछ नहीं हो सकता।

एक्टर ने अपने इस पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, केरल का शेड्यूल पूरा हुआ। किसी खूबसूरत जगह पर अच्छे लोगों के साथ काम करने का मजा ही कुछ और है। हमारे डायरेक्टर अनीस बज्मी को कैमरे के पीछे की सारी मस्ती के लिए, और मेरे जबरदस्त को-स्टार्स विद्या, राशि, छोटे राजपाल और पूरी टीम को ढेर सारा प्यार। यह वाला अनुभव बहुत खास रहा।

अक्षय कुमार पिछली बार भूत बंगला में नजर आए थे, जो अभी भी बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। विद्या बालन ने रितेश देशमुख की फिल्म राजा शिवाजी में एक अहम भूमिका निभाई है, जो फिलहाल सिनेमाघरों में चल रही है।

फिल्म हीर सारा और पुडुचेरी का ट्रेलर जारी पत्रलेखा और मानवी गागरू आईं साथ

राजकुमार राव की पत्नी पत्रलेखा को आखिरी बार उनकी फिल्म टोस्टर में देखा गया था। अप्रैल, 2026 में रिलीज इस फिल्म में अभिनेत्री कुछ मिनट का कैमियो किया था, जिसने खूब चर्चा बटोरी। अब पत्रलेखा अपनी नई फिल्म हीर सारा और पुडुचेरी के जरिए दर्शकों के बीच लौट रही हैं। इसमें उनके साथ मानवी गागरू भी मुख्य किरदार में हैं। कार्तिक चौधरी द्वारा निर्देशित इस फिल्म का ट्रेलर और रिलीज तारीख जारी कर दी गई है। हीर सारा और पुडुचेरी के नाम से पता चलता है कि फिल्म एक रोमांचक सफर पर आधारित होगी। ट्रेलर में दिखाया गया है कि 2 अलग-अलग ख्यालातों वाली लड़कियां सोलो ट्रिप के लिए पुडुचेरी निकल पड़ती हैं। उनकी जिंदगी की उलझनें भी ट्रेलर में दिखती हैं। फिल्म दोस्ती, उपचार और आत्म-खोज की कहानी बयां करती है। एक ओर जहां वो ट्रिप पर एंजॉय करती हैं और नई-नई चीजों को एक्सप्लोर करती हैं। वहीं दूसरी ओर उनकी पर्सनल लाइफ में अपनी अलग-अलग परेशानियां हैं, जिनकी भी झलक ट्रेलर में देखने को मिलती है।

कार्तिक चौधरी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में पत्रलेखा और मानवी के अलावा श्वेता साल्वे, आरिफ जकारिया, निशांक नूर और बंटी चोपड़ा भी अहम किरदारों में नजर आए हैं। 'हीर सारा और पुदुचेरी' भी 29 मई को ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

शोर से दूर रहकर ही कलाकार बेहतर काम कर सकते हैं

सोशल मीडिया ट्रोलिंग पर रकुल प्रीत सिंह का बयान

आज के समय में सोशल मीडिया कलाकारों के लिए यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म बन गया है जहां लोकप्रियता भी मिलती है और आलोचना भी। एक तरफ जहां फैंस अपने पसंदीदा सितारों से जुड़ पाते हैं, वहीं दूसरी तरफ ऑनलाइन ट्रोलिंग भी तेजी से बढ़ रही हैं। इसी मुद्दे पर अब अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने अपनी बेबाक राय रखी। इस दौरान उन्होंने सोशल मीडिया के प्रभाव और उससे दूरी बनाए रखने की जरूरत पर जोर दिया। रकुल प्रीत सिंह ने कहा, एक कलाकार के लिए यह बहुत जरूरी है कि वह सोशल मीडिया पर चल रहे शोर और लगातार आने वाली प्रतिक्रियाओं से खुद को अलग रखना सीखे। अगर कोई कलाकार इंटरनेट पर लिखी हर बात को दिल से लगाने लगे, तो उसका असर उसके काम और मानसिक स्थिति दोनों पर पड़ सकता है।

ऐसे में जरूरी है कि उनको अपनी ऊर्जा अपने काम पर लगानी चाहिए। रकुल ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, जब मैंने अपने करियर की शुरुआत की थी, तब सोशल मीडिया इतना व्यापक नहीं था। उस समय कलाकारों को आज की तरह तुरंत प्रतिक्रिया नहीं मिलती थी, जिससे मानसिक दबाव भी कम रहता था। उस दौर में आलोचना और चर्चा का तरीका अलग था, जबकि आज के समय में हर व्यक्ति अपनी राय तुरंत और मुखर होकर सोशल मीडिया पर व्यक्त करता है।

उन्होंने आगे कहा, कोरोना महामारी के बाद सोशल मीडिया का इस्तेमाल काफी बढ़ गया है। पिछले कुछ सालों में लोगों के पास ज्यादा समय था। इसका असर यह हुआ कि अब हर विषय पर लोगों की राय बहुत तेजी से सामने आती है और कलाकारों को लगातार आलोचना और टिप्पणियों का सामना करना पड़ता है।

रकुल प्रीत सिंह ने कहा, एक अभिनेता को इस शोर से खुद को दूर रखना चाहिए। कलाकार का काम अभिनय करना और अपने किरदार को बेहतर तरीके से निभाना है, न कि हर ऑनलाइन ट्रोलिंग का जवाब देना। अगर कोई व्यक्ति सोशल मीडिया की हर बात को गंभीरता से लेने लगेगा, तो उसका ध्यान भटक जाएगा और उसका काम भी प्रभावित हो सकता है।

उन्होंने आगे कहा, मानसिक रूप से मजबूत रहना आज के समय में कलाकारों के लिए बहुत जरूरी है। मुझे लगता है कि हर अभिनेता को अपने चारों ओर एक दीवार बनानी चाहिए, ताकि बाहरी नकारात्मकता सीधे उनके काम पर असर न डाल सके। कभी-कभी सोशल मीडिया से दूरी बनाना और ब्लाइंडर्स लगाकर सिर्फ अपने काम पर ध्यान देना ही सही तरीका होता है।

वर्कफ्रॉम होम से बदल रही है जीवनशैली, जानिए कैसे

कोरोना महामारी के बाद घर से काम करने का चलन बढ़ गया है। यह न केवल काम करने का तरीका बदल रहा है, बल्कि हमारी जीवनशैली पर भी गहरा असर डाल रहा है। इस लेख में हम जानेंगे कि घर से काम करने से हमारी दिनचर्या, स्वास्थ्य और मानसिक स्थिति पर क्या-क्या प्रभाव पड़ रहा है। इसके साथ ही यह भी समझेंगे कि कैसे हम इस नए माहौल में संतुलित रह सकते हैं और जीवन को बेहतर बना सकते हैं।

घर और ऑफिस का अंतर मिट रहा है

घर से काम करने के कारण घर और ऑफिस का अंतर धीरे-धीरे मिटता जा रहा है। इससे काम का तनाव भी घर तक पहुंच रहा है। इसके चलते लोग मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का सामना कर रहे हैं। इस स्थिति से निपटने के लिए नियमित ब्रेक लेना, काम के घंटे तय करना और काम के समय और निजी समय के बीच संतुलन बनाए रखना जरूरी है। इसके अलावा काम के दौरान कुछ मिनट योग या ध्यान करना लाभदायक हो सकता है।

समय प्रबंधन हो रहा है अहम

घर से काम करने में समय का सही प्रबंधन बहुत जरूरी हो गया है। बिना सही प्रबंधन के काम और निजी जीवन में असंतुलन उत्पन्न हो सकता है। इसके लिए एक दिनचर्या बनाना और उसे पालन करना जरूरी है। सुबह उठने से लेकर रात को सोने तक का एक शेड्यूल बनाएं और उसे फॉलो करें। इसके अलावा काम के बीच में छोटे-छोटे ब्रेक लें ताकि आपका मन ताजा बना रहे और आप ज्यादा उत्पादक रह सकें।

शारीरिक गतिविधियों की कमी

घर पर काम करते समय शारीरिक गतिविधियां कम हो जाती हैं, जिससे वजन बढ़ने, पीठ दर्द और अन्य शारीरिक समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। इससे बचने के लिए रोजाना कुछ मिनट व्यायाम करना जरूरी है। आप योग, स्ट्रेचिंग या हल्की-फुल्की कसरत कर सकते हैं। इसके अलावा दिन में कम से कम 10-15 मिनट टहलना भी फायदेमंद हो सकता है। इससे आपका शरीर सक्रिय रहेगा और आप तंदुरुस्त महसूस करेंगे।

सामाजिक संपर्क घट रहा है

घर से काम करने के कारण सामाजिक संपर्क भी कम हो रहा है। ऑफिस में मिलने वाले सहकर्मियों से अब सिर्फ ऑनलाइन मीटिंग्स ही हो पा रही हैं। इससे अकेलापन महसूस हो सकता है। इससे बचने के लिए ऑनलाइन मीटिंग्स के अलावा फोन या वीडियो कॉल्स का सहारा लें। इसके अलावा सप्ताह में एक बार दोस्तों या परिवार वालों के साथ बाहर जाने की योजना बनाएं ताकि आप सामाजिक रूप से जुड़े रहें और अकेलापन महसूस न हो।

मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहा है असर

घर से काम करने का कई लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है। लगातार काम करने की वजह से तनाव, चिंता जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। इससे निपटने के लिए नियमित रूप से ध्यान करें और सकारात्मक सोच रखें। इसके अलावा अपने शौक पूरे करें जैसे किताबें पढ़ना, संगीत सुनना या पेंटिंग करना। इन तरीकों से आपका मानसिक स्वास्थ्य बेहतर रहेगा और आप तनावमुक्त रहेंगे।

खास खबर

फसलों को खरपतवार से होने वाले नुकसान को नियंत्रित करने कृषि वैज्ञानिकों ने बनाई रणनीति

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर में आयोजित अखिल भारतीय समन्वित खरपतवार प्रबंधन अनुसंधान परियोजना की त्रि-दिवसीय 33वीं वार्षिक समीक्षा बैठक का आज यहां समापन हुआ। बैठक के तृतीय दिवस में उद्योग जगत से जुड़े प्रतिनिधियों एवं विशेषज्ञों के साथ विशेष संवाद सत्र आयोजित किया गया। इस दौरान खरपतवार प्रबंधन से संबंधित आधुनिक तकनीकों, कृषि उपयोगी उत्पादों, नवाचारों एवं अनुसंधान आधारित समाधान पर विस्तृत चर्चा की गई। उद्योग प्रतिनिधियों ने कृषि क्षेत्र में नई तकनीकों के उपयोग, प्रभावी खरपतवार नियंत्रण उपायों तथा किसानों तक उन्नत तकनीक पहुंचाने के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार साझा किए। इस तीन दिवसीय समीक्षा बैठक में कृषि वैज्ञानिकों ने विभिन्न फसलों को हानि पहुंचाने वाले खरपतवारों के प्रभावी नियंत्रण की विभिन्न विधियों पर सारगर्भित चर्चा की तथा फसलों को इनसे होने वाले नुकसान को न्यूनतम करने हेतु मंथन किया। इस दौरान विभिन्न रासायनिक खरपतवारनाशकों से मिट्टी, जल एवं पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों पर भी चर्चा की गई और इसे रोकने के उपायों पर भी विचार-विमर्श किया गया। हानिकारक हर्बिसाइड के उपयोग को सीमित करते हुए खरपतवार प्रबंधन की वैकल्पिक विधियों को प्रोत्साहन देने पर जोर दिया गया। उल्लेखनीय है कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में आगामी 12 से 14 मई 2026 तक अखिल भारतीय समन्वित खरपतवार प्रबंधन अनुसंधान परियोजना की 33वीं वार्षिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

ई-श्रम साथी ऐप : छत्तीसगढ़ के श्रमिकों और नियोक्ताओं के लिए नई डिजिटल सौगात

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के श्रम विभाग द्वारा प्रदेश के निर्माण श्रमिकों के आर्थिक सशक्तिकरण और उन्हें रोजगार के सुलभ अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से 'ई-श्रम साथी' मोबाइल ऐप का शुभारंभ किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डिजिटल विजन और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में शुरू की गई इस पहल का मुख्य ध्येय निर्माण श्रमिक न हो हताश, ई-श्रम साथी ऐप में करे काम की तलाश के संकल्प को चरितार्थ करना है। यह ऐप विशेष रूप से उन श्रमिकों के लिए बनाया गया है जो अपने कौशल के अनुरूप उपयुक्त कार्य की तलाश में रहते हैं, ताकि वे बिचौलियों के बिना सीधे काम पा सकें। इस डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से श्रमिकों को बहुआयामी लाभ प्राप्त होंगे, जिसमें वे अपने निवास स्थान के निकटतम उपलब्ध कार्यों की त्वरित जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। ऐप पर पंजीकरण की प्रक्रिया पूर्णतः निःशुल्क और उपयोग में सरल रखी गई है, जिससे श्रमिक स्वयं अपना डेटा दर्ज कर सकते हैं और अपनी दक्षता के अनुसार कार्य का चयन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, यह ऐप श्रमिकों को शासन द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की सटीक जानकारी और उनका सीधा लाभ दिलाने में एक मार्गदर्शक की भूमिका निभाएगा।

छत्तीसगढ़ का आजीविका मॉडल देशभर के लिए प्रेरणादायी-केंद्रीय राज्य मंत्री

केंद्रीय राज्य मंत्री कमलेश पासवान सेरीखेड़ी में अजा परियोजना और पिंक दीदी नवाचारों का किया निरीक्षण, महिला समूहों के आर्थिक स्वावलंबन की सराहना

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान ने आज रायपुर जिले के सेरीखेड़ी स्थित मल्टी यूटिलिटी सेंटर का दौरा किया। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के तहत संचालित इस केंद्र में उन्होंने महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा किए जा रहे नवाचारों और आजीविका गतिविधियों का सघन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं द्वारा संचालित अजा परियोजना और बेहतर बाजार लिंकेज की प्रशंसा करते हुए इसे देशभर के लिए एक अनुकरणीय मॉडल बताया।

मंत्री पासवान ने एकीकृत बकरी पालन मॉडल अजा के क्रियान्वयन को बारीकी से देखा। उन्होंने कहा कि यह परियोजना न केवल ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ा रही है, बल्कि वैज्ञानिक पशुपालन को भी नई दिशा दे रही है। आधुनिक शेड, नियमित टीकाकरण, पशु बीमा, ऑनलाइन मॉनिटरिंग और

जैविक खाद निर्माण जैसी व्यवस्थाओं ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सकारात्मक बदलाव लाया है। उन्होंने समूहों द्वारा तैयार उत्पादों के लिए बाजार की सुलभ उपलब्धता को अन्य राज्यों के लिए भी सीखने योग्य बताया।

निरीक्षण के दौरान मंत्री ने नवा रायपुर में संचालित ई-ऑटो सेवा प्रोजेक्ट पिंक दीदी की सराहना की। उन्होंने हितग्राही महिलाओं से संवाद कर उनके अनुभव जाने और कहा कि यह पहल पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बना रही है। एकीकृत बकरी पालन परियोजना, कृषि आधारित आजीविका गतिविधियों,

आजीविका सेवा केंद्र, के अलावा उन्होंने बिजनेस दीदी, मशरूम उत्पादन और कृषि आधारित अन्य गतिविधियों का भी अवलोकन किया।

मंत्री पासवान ने कृषक उत्पादक समूह की बोर्ड ऑफ डायरेक्टर महिलाओं से आत्मीय चर्चा की। इस दौरान दीदियों ने साझा किया कि कैसे वे घर की चारदीवारी से निकलकर आज एक संगठित व्यवसाय का नेतृत्व कर रही हैं। मंत्री ने महुआ कुकीज का स्वाद लिया और समूह की दीदियों के कौशल की प्रशंसा करते हुए कहा कि असंगठित क्षेत्र को संगठित कर लाभ अर्जित करना ही वास्तविक सशक्तिकरण है। केंद्रीय राज्य मंत्री ने छत्तीसगढ़ के आजीविका मॉडल को अन्य राज्यों के लिए प्रेरणास्रोत बताते हुए अधिकारियों को इन योजनाओं के और अधिक विस्तार पर जोर देने को कहा।

केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में आजीविका मॉडल अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरणास्रोत बन सकते हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं महिला समूहों को बेहतर कार्य के लिए बधाई देते हुए योजनाओं के और विस्तार पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान पंचायत सचिव भीम सिंह, कलेक्टर गौरव सिंह, जिला पंचायत सीईओ कुमार बिस्वरांजन सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान ने मल्टी यूटिलिटी सेंटर, सेरीखेड़ी (रायपुर) अजा परियोजना, पिंक दीदी ई-ऑटो, बिजनेस दीदी, एफ्पीओ से संवाद की और कहा कि छत्तीसगढ़ का ग्रामीण आजीविका मॉडल आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक सशक्त कदम है।

सुशासन तिहार : वनांचल में गूंजी जनता की आवाज, मौके पर ही सुलझे कई मसले

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सुशासन की संकल्पना अब छत्तीसगढ़ के दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों में मूर्त रूप ले रही है। इसी कड़ी में मरवाही जनपद के सुदूर ग्राम पंचायत उषाड़ में विशाल जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 17 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों ने अपनी मांगों और समस्याओं को लेकर सीधे प्रशासन से संवाद किया।

शिविर में ग्रामीणों की समस्याओं पर संवेदनशीलता दिखाते हुए कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन ने तत्काल राहत के निर्देश दिए पेयजल और राशन की समस्या दूर करें। ग्राम कटरा (तुरिझिरिया मोहल्ला) और ग्राम बरौर (पुराना बाजार) में गंभीर पेयजल संकट को देखते हुए नवीन हैंडपंप स्वीकृत किए गए। ग्राम कुम्हारी के हितग्राहियों की सुविधा के लिए एक अतिरिक्त राशन दुकान खोलने की मंजूरी प्रदान की गई। राजस्व मामलों में हो रही देरी पर कलेक्टर ने सख्त रुख अख्तियार किया। उन्होंने एसडीएम, तहसीलदार और पटवारियों की उपस्थिति में प्राप्त आवेदनों की समीक्षा की और स्पष्ट कहा कि अविवादित सीमांकन, बंटवारा, नामांतरण के सभी प्रकरण एक सप्ताह के भीतर अनिवार्य रूप से निराकृत किए जाएं।

राजस्व विभाग एक महीने के भीतर अपनी कार्यप्रणाली में सुधार लाए। जनता को काम के लिए भटकना पड़ा, तो जिम्मेदार अधिकारी स्थानांतरण के लिए तैयार रहें। कलेक्टर ने ग्रामीणों से अपील की कि यदि कहीं लापरवाही हो, तो वे सीधे उच्चाधिकारियों या थाना प्रभारी को सूचित करें।

शिविर के दौरान कुल 711 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 116 का तत्काल निराकरण किया गया। विभिन्न विभागों ने अपनी सक्रियता दिखाई। कृषि एवं पशुपालन विभाग को पात्र किसानों को मिनी ट्रैक्टर, रोपा मशीन और उन्नत नस्ल के बकरे उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। धरती आबा योजना के तहत लो-वोल्टेज की समस्या दूर करने, प्रधानमंत्री आवास, पेंशन और जॉब कार्ड से संबंधित लंबित प्रकरणों में तेजी लाने के निदेश कलेक्टर ने दिए।

शिविर में प्रशासनिक कार्यों के साथ-साथ सामाजिक खुशियाँ भी साझा की गईं। तीन गर्भवती महिलाओं की गोद भराई और दो बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार संपन्न कराया गया। साथ ही किसानों को किसान किताब, मछली जाल, ड्राइविंग लाइसेंस, मितानिन किट और आयुष्मान कार्ड जैसे हितग्राही मूलक सामग्रियों का वितरण किया गया।

कलेक्टर ने राष्ट्र निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण भारत की जनगणना 2027 के मकान सूचीकरण कार्य में ग्रामीणों से प्रगणकों का सहयोग करने की अपील की। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री मुकेश रावटे, एएसपी श्री अविनाश मिश्रा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री आवास योजना ने बदली परिवार की तकदीर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। अपने घर का सपना हर किसी की आंखों में होता है, लेकिन आर्थिक तंगी अक्सर इस सपने को अधूरा छोड़ देती है। कोरिया जिले के वनांचल क्षेत्र सोनहत जनपद पंचायत के ग्राम रजौली की निवासी हिरमन बाई के लिए भी यह सपना वर्षों तक सिर्फ एक उम्मीद बना रहा। कच्चे मकान की असुरक्षा, मौसम की मार और रोजमर्रा की परेशानियों के बीच जीवन बीत रहा था। लेकिन अब प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ने उनके जीवन की तस्वीर बदल दी है।

कभी बारिश की बूंदें घर की छत से भीतर टपकती थीं, गर्मी में मिट्टी की दीवारें तपती थीं और ठंड के दिनों में पूरा परिवार असुरक्षा और असुविधा के बीच रातें बिताने को मजबूर था। ऐसे हालात में एक सुरक्षित और पक्के घर का सपना उनके लिए किसी दूर की मंजिल जैसा था।

इसी बीच प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत हिरमन बाई का आवास स्वीकृत हुआ। शासन की प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) व्यवस्था के जरिए अनुदान राशि सीधे उनके बैंक खाते में पहुंची, जिससे उन्होंने अपने सपनों के घर के निर्माण की शुरुआत की।

मेहनत और शासन की सहायता से अब उनका पक्का मकान बनकर तैयार हो चुका है। नए घर में प्रवेश के साथ ही हिरमन बाई और उनके परिवार के जीवन में मानो नई रोशनी आ गई है। परिवार को सुरक्षित वातावरण मिला है, जिससे आत्मविश्वास और सम्मान की भावना बढ़ी है।

धमतरी के समाधान शिविरों में उमड़ा जनसैलाब

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की मंशानुसार अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं की पहुँच सुनिश्चित करने के लिए आयोजित सुशासन तिहार 2026 धमतरी जिले में मील का पत्थर साबित हो रहा है। जिले के कुरूद और मगरलोड विकासखंडों में आयोजित क्लस्टर स्तरीय समाधान शिविरों में ग्रामीणों का भारी उत्साह देखा गया। बेलरगांव और मेघा में आयोजित इन शिविरों में प्राप्त कुल 1070 आवेदनों में से अधिकांश का निराकरण मौके पर ही कर दिया गया।

कुरूद विकासखंड के ग्राम पंचायत बेलरगांव में आयोजित शिविर में 12 पंचायतों के ग्रामीण शामिल हुए। प्रशासन की तत्परता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यहाँ प्राप्त 393 आवेदनों में से 384 का निराकरण मौके पर ही कर दिया गया। शिविर में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पोषण किट, शिक्षा विभाग द्वारा उपकरण किट और स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए। साथ ही, टीबी मरीजों को विशेष फूड बास्केट भी प्रदान किए गए।

मगरलोड विकासखंड के मेघा क्लस्टर शिविर में 18 से अधिक ग्राम पंचायतों के ग्रामीण अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। यहाँ प्राप्त 677 आवेदनों (667 मांग और 10 शिकायतें) में से 515 का तत्काल समाधान किया गया। शिविर में 7 नवीन राशन कार्ड, दिव्यांगों को वॉकर और 3 पेंशन स्वीकृति आदेश जारी किए गए। इसके अलावा मनरेगा जॉब कार्ड, श्रम कार्ड और 10 ड्राइविंग लाइसेंस भी मौके पर प्रदान किए गए।

मिरतुर शिविर में जनसंपर्क विभाग का स्टॉल बना सूचना का केंद्र

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के सुशासन तिहार अभियान के तहत भैरमगढ़ विकासखंड के ग्राम मिरतुर में आयोजित समाधान शिविर में जनसंपर्क विभाग का स्टॉल ग्रामीणों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। शिविर में पहुँचे बड़ी संख्या में ग्रामीणों, युवाओं और महिलाओं ने स्टॉल का अवलोकन कर शासन की विभिन्न योजनाओं और विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

जनसंपर्क विभाग द्वारा स्टॉल के माध्यम से शासन की महत्वपूर्ण

उपलब्धियों और जनहितकारी नीतियों से जुड़ी प्रचार सामग्री का निःशुल्क वितरण किया गया। ग्रामीणों को शासन की मंशा और भविष्य के रोडमैप से अवगत कराने के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण पुस्तिकाएं प्रदान की गईं, जिनमें प्रमुख हैं, मासिक पत्रिका 'जनमन' शासन के कार्यों का विस्तृत संकलन, सुशासन के नवीन आयाम प्रशासनिक सुधारों की जानकारी, तब और अब विकास के तुलनात्मक आँकड़े, रिपोर्ट कार्ड अटल निर्माण वर्ष-2 का प्रगति विवरण और बिल्डिंग टूमारो छत्तीसगढ़ टुडे भविष्य की विकास योजनाओं का खाका।

स्टॉल पर मौजूद अधिकारियों ने ग्रामीणों को बेहद सरल और आकर्षक तरीके से बताया कि वे शासन की योजनाओं का लाभ कैसे उठा सकते हैं। प्रचार सामग्री प्राप्त करने के बाद ग्रामीणों ने न केवल योजनाओं के प्रति अपनी रुचि दिखाई, बल्कि आवेदन की प्रक्रियाओं के बारे में भी जानकारी ली।

ग्रामीणों को शिविरों में मिल रहा त्वरित समाधान और हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ

सुशासन तिहार से गांव-गांव पहुंच रही शासन की योजनाएं

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेशभर में आयोजित सुशासन तिहार-2026 अब ग्रामीणों के लिए शासन और प्रशासन से सीधे जुड़ने का प्रभावी माध्यम बनता जा रहा है। गांव-गांव आयोजित हो रहे जनसमस्या निवारण शिविरों में आमजनों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी, आवश्यक सेवाएं और हितग्राही मूलक सामग्रियों का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया जा रहा है।

इसी क्रम में बलरामपुर जिले के विकासखण्ड रामचन्द्रपुर के ग्राम डिण्डो तथा शंकरगढ़ विकासखंड के ग्राम पंचायत बेलकोना में जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किए गए। शिविरों में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर अपनी मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। डिण्डो शिविर में कुल 115 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 20 आवेदनों का मौके पर ही

निराकरण कर आमजनों को राहत पहुंचाई गई। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों के माध्यम से ग्रामीणों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई तथा पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। इस दौरान राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, वय वंदन कार्ड एवं नई पहल कीट का वितरण किया गया। कृषि विभाग द्वारा किसानों को फसल सुरक्षा दवाइयां भी उपलब्ध कराई गईं। वहीं मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा गोदभराई और अन्नप्राशन कार्यक्रम आयोजित कर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया।

ग्रामीणों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शिविर में आधार सुधार, नया आधार पंजीयन, श्रम पंजीयन, स्वास्थ्य परीक्षण सहित कई आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। ग्रामीणों ने कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से गांव में ही विभिन्न विभागों की सेवाएं मिलने से समय और खर्च दोनों की बचत हो रही है तथा समस्याओं का त्वरित समाधान मिल रहा है।

इसी कड़ी में 15 मई को विकासखण्ड बलरामपुर के ग्राम पंचायत झलरिया चौक के पास जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में डौरा, कोचली, कोटसरी, करकेपा, मुख, लिलौटी, घाघरा, झलरिया, तरकाखाड़ और डुमरखोला ग्राम पंचायतों के ग्रामीण लाभान्वित होंगे। प्रशासन ने आमजनों से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपनी समस्याओं एवं मांगों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत करने की अपील की है।

प्रशासनिक दक्षता का सम्मान मुख्य सचिव ने ई-ऑफिस और समयबद्धता के लिए अधिकारियों-कर्मचारियों को नवाजा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव विकासशील ने मंत्रालय (महानदी भवन) में एक विशेष गरिमामयी कार्यक्रम में मंत्रालयीन अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशंसा पत्र प्रदान किए। यह सम्मान ई-ऑफिस के माध्यम से फाइलों (नस्तियों) के त्वरित निराकरण और कार्यालयीन समय की प्रतिबद्धता (उपस्थिति) में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिया गया।

मुख्य सचिव विकासशील ने सभी पुरस्कृत अधिकारियों और कर्मचारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ई-ऑफिस न केवल कार्य में पारदर्शिता लाता है, बल्कि निर्णय लेने की प्रक्रिया को भी गति देता है। उन्होंने समयबद्धता को बेहतर कार्य-संस्कृति का आधार बताया और अन्य कर्मचारियों को भी इनसे प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विभाग ई-ऑफिस के प्रभावी उपयोग में मंत्रालय के तीन विभागों ने बाजी मारी। प्रथम स्थान समाज कल्याण विभाग, द्वितीय स्थान गृह विभाग, तृतीय स्थान परिवहन विभाग का रहा। ई-ऑफिस श्रेणी में व्यक्तिगत सम्मान में विभिन्न श्रेणियों में सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वाले अधिकारियों की सूची इस प्रकार है:- संयुक्त/अपर सचिव श्री भूपेन्द्र कुमार राजपूत (आदिम जाति विकास) प्रथम, श्री अनुपम त्रिवेदी (अल्पसंख्यक विकास) द्वितीय, सचिदानंद आलोक (पंचायत एवं ग्रामीण विकास) तृतीय स्थान पर रहे। उप सचिव दूरदेशी राम सोन्टापर (वन विभाग) प्रथम, किशोर कुमार भूआर्य (ळ।क) द्वितीय, रामप्रसाद चौहान (गृह विभाग) तृतीय, अवर सचिव श्री अरुण कुमार मिश्रा (विधि विभाग) प्रथम, मगनलाल पवार (वाणिज्य एवं उद्योग) द्वितीय, पूरन लाल साहू (गृह विभाग) ई-ऑफिस श्रेणी में व्यक्तिगत तृतीय स्थान पर रहे।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बैन्टेक्स एवं ग्रहरन उपलब्ध यहां उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

एक ही परिवार के चार लोगों की हत्या से मचा हड़कंप

जांजगीर-चांपा। जिले के शिवरीनारायण थाना क्षेत्र के ग्राम भंवतरा में एक ही परिवार के 4 लोगों की हत्या कर दी गई। गुरुवार की सुबह जब निर्माणाधीन मकान में काम करने पहुंचे मिस्त्री ने चारों के खून से लथपथ शव देखे और आसपास के लोगों को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शुरुआती जांच के बाद हत्या के आरोप में मृतक के मंझले बेटे सोनसाय कश्यप और उसके बेटे गोलू को हिरासत में लिया है। मेदनी प्रसाद कश्यप (70), उनकी पत्नी कांति बाई (65), नाती पीतांबर (17) और नातिन मोगरा के साथ निर्माणाधीन मकान के पीछ स्थित घर में रह रहे थे। बुधवार रात सभी खाना खाने के बाद सो गए थे। गुरुवार सुबह करीब 7:30 बजे जब मिस्त्री काम के लिए पहुंचा तो सामने का मकान का दरवाजा बंद मिला। इसके बाद वह पीछे पहुंचा तो चारों के शव खून से लथपथ खाट पर मिले। स्नीफर डॉग ने पुलिस को सोनसाय कश्यप के घर तक पहुंचाया। घर पर ताला लगा होने से ताला तोड़कर तलाशी लेने पर खून से सनी कुल्हाड़ी बरामद की गई। इसके बाद सोनसाय और उसके बेटे गोलू को हिरासत में ले लिया गया। एएसपी उमेश कश्यप ने बताया कि शुरुआती जांच में सामने आया है कि जमीन व संपत्ति विवाद में हत्या की गई है। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

युवक पर गिरी आकाशीय बिजली, 18 वर्षीय खिलाड़ी की मौत

दुर्ग। दुर्ग में बुधवार शाम आकाशीय बिजली गिरने से एक 18 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान शक्ति बिश्नोई के रूप में हुई है, जो अपने दोस्तों के साथ मैदान में क्रिकेट खेलने गया था। शाम के समय अचानक मौसम बदल गया और तेज गरज-चमक के बीच आकाशीय बिजली गिर गई। इस दौरान शक्ति उसकी चपेट में आ गया। घटना के बाद साथियों ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मौसम विभाग के अनुसार अगले पांच दिनों तक प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में गरज-चमक, तेज हवाएं और हल्की बारिश की गतिविधियां जारी रह सकती हैं। हालांकि 14 और 15 मई को मौसम गतिविधियों में कुछ कमी आने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने यह भी कहा है कि 16 मई से मध्य छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में हीटवेव की स्थिति बन सकती है। बुधवार को रायपुर और बिलासपुर में भी दोपहर बाद अचानक मौसम बदला और तेज हवाओं के साथ अंधड़, गरज-चमक और बारिश दर्ज की गई।

घर सूना देख, चोरों ने उड़ाए सोने-चांदी के जेवर

दुर्ग। जिले के अंजोरा चौकी क्षेत्र में घर सूना छोड़कर बीमार पिता को देखने मेडिकल कॉलेज जाने वाली महिला को भारी नुकसान उठाना पड़ा। महिला की गैरमौजूदगी का फायदा उठाकर अज्ञात चोरों ने घर का ताला तोड़कर सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर लिए। मामले में प्रार्थिया की शिकायत पर अंजोरा चौकी पुलिस ने अपराध दर्ज कर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी रोशन निर्मलकर और सुमेश निर्मलकर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किये गए सोने-चांदी के आभूषण भी बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, ग्राम रसमड़ा निवासी महिला अपने पति और दोनों बच्चों के साथ अपने बीमार पिता को देखने मेडिकल कॉलेज राजनांदगांव गई हुई थी। घर में ताला लगा होने का फायदा उठाकर आरोपियों ने मेन गेट का ताला तोड़ दिया और अंदर घुसकर अलमारी में रखे जेवरात पार कर दिए। दूसरे दिन सुबह जब महिला घर लौटी तो मेन गेट का ताला टूटा मिला। घर के अंदर सामान बिखरा पड़ा था और अलमारी खुली हुई थी। जांच करने पर दो नग सोने की एयरिंग, दो सोने के कान के टॉप्स, पांच नग सोने की पत्ती, एक चांदी का कमरबंद, चार नग पायल और एक सोने की नाक फुल्ली चोरी होना पाया गया।

भिलाई में पुलिस के हत्थे चढ़ा अंतरराज्यीय चोर गिरोह, दो महिला सहित 04 आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सूने मकानों में चोरी करने वाले अंतरराज्यीय चोर गिरोह को दुर्ग पुलिस ने पकड़ा है। अलग अलग थाना क्षेत्रों में इस गिरोह द्वारा चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा था। इन चोरों ने दुर्ग और बालोद जिले में सूने मकानों को निशाना बनाकर चोरियां की। पुलिस ने गिरोह में शामिल दो महिला, एक पुरुष सहित जेवर गिरवी रखने वाले ज्वेलरी शॉप संचालक सहित कुल 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से लगभग 13 लाख 12 हजार 800 रुपए के सोने-चांदी के जेवर, नगदी एवं चोरी में प्रयुक्त वाहन जब्त किया है।

दरअसल क्षेत्र में लगातार सूने मकानों में हो रही चोरी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए दुर्ग पुलिस द्वारा गश्त, मॉर्निंग पेट्रोलिंग एवं संदिग्ध व्यक्तियों की सघन चेकिंग की जा रही थी। प्रकरणों की विवेचना के दौरान तकनीकी विश्लेषण एवं लगभग 1600 से अधिक सीसीटीवी फुटेज का परीक्षण किया गया, जिसमें आरोपी नौशाद की गतिविधियां संदिग्ध पाई गईं। एसीसीयू एवं थाना वैशाली नगर पुलिस टीम द्वारा नौशाद नाम के व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई।

पूछताछ में नौशाद ने बताया कि वह अपने ससुराल गौतम नगर खुर्सीपार में रहकर मालवाहक वाहन चालक का कार्य करता था। आरोपी मूलत: उत्तर प्रदेश का निवासी है तथा दिन में सूने मकानों की रेकी कर रात्रि में अपने गिरोह के अन्य साथियों के साथ चोरी की घटनाओं को अंजाम देता था। चोरी से प्राप्त रकम से आरोपी द्वारा हीरो डेस्टिनी वाहन क्रय किया गया था।

पूछताछ में आरोपियों द्वारा गुरूनानक नगर, वैशाली नगर, हाउसिंग बोर्ड जामुल, चरोदा, राधिका नगर, पुदमनगर एवं जिला बालोद के करहीभदर क्षेत्र में चोरी की घटनाएं करना स्वीकार किया गया। चोरी के सोने-चांदी के जेवर महिलाओं के माध्यम से पावर हाउस स्थित शुभ-लाभ ज्वेलर्स में गिरवी रखे जाते थे। मामले में ज्वेलरी दुकान संचालक दुर्गेश गोस्वामी को भी विधिवत गिरफ्तार किया गया है।

आरोपियों के कब्जे एवं ज्वेलरी दुकान से कुल 60 ग्राम सोना, 8.50 ग्राम चांदी, कैमरा, इंडक्शन चूल्हा, नगदी रकम 7,800 रुपए एवं चोरी में प्रयुक्त हीरो डेस्टिनी वाहन क्रमांक सीजी 07 डीडी 9877 जब्त किया गया है। कुल जप्त मशरूका कीमती लगभग 13,12,800 रुपये है। प्रकरण में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम रवाना की गई है।

उक्त कार्रवाई में एसीसीयू एवं थाना वैशाली नगर पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही। टीम द्वारा तकनीकी विश्लेषण, सीसीटीवी फुटेज परीक्षण, सतत निगरानी एवं त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी के 06 प्रकरणों का सफलतापूर्वक खुलासा किया गया। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि घर सूना छोड़ने की स्थिति में पड़ोसियों अथवा स्थानीय पुलिस को जानकारी अवश्य दें एवं किसी भी संदिग्ध व्यक्ति अथवा गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। चोरी एवं अन्य आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

100 जवानों ने की सरप्राइज चेकिंग, 8 संदेही समेत 2 आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के न्यायालय परिसर में गुरुवार को पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सरप्राइज चेकिंग अभियान चलाया। इस अभियान में 100 से अधिक पुलिस जवान, एसीसीयू टीम और बम निरोधक दस्ता शामिल रहा। चेकिंग के दौरान पुलिस ने 8 संदिग्धों को हिरासत में लिया, जबकि दो युवकों के पास से चाकू बरामद होने पर उन्हें आर्म्स एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया।

जानकारी के मुताबिक, डीसीपी सेंट्रल जोन और क्राइम के निर्देश पर न्यायालय की अनुमति से यह विशेष अभियान चलाया गया। पुलिस टीम ने कोर्ट परिसर और आसपास के क्षेत्रों में अचानक चेकिंग शुरू की। इस दौरान संदिग्ध गतिविधियों में शामिल तथा उपद्रव की आशंका वाले लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की गई।

इन आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

पुलिस ने आशुतोष साहू उर्फ अमन, विराज सेन्द्रे, भुवनेश्वर चौधरी उर्फ बिट्टू, गोलू नेताम उर्फ कामता, पवन कोसरिया और दुन्नो कुल्हरिया सहित कुल 8 लोगों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्रवाई की।

सभी आरोपियों को थाना सिविल लाइन लाकर पूछताछ की गई। इसके बाद उन्हें संबंधित न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

दो युवकों के पास अवैध हथियार बरामद

पुलिस की चेकिंग के दौरान दो युवकों के पास से अवैध हथियार मिले। पुलिस ने मयंक सोनी और विनोद सारथी के कब्जे से एक-एक चाकू बरामद किया। दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना सिविल लाइन में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है।

पुलिस बोली- चेकिंग रहेगी जारी

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त तारकेश्वर पटेल ने बताया कि न्यायालय परिसर में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए यह अभियान चलाया गया। कोर्ट परिसर में लगातार बढ़ रही भीड़ और संदिग्ध गतिविधियों को देखते हुए आगे भी इस तरह की आकस्मिक चेकिंग जारी रहेगी।

बंद राइस मिल के गोदाम में लगी भीषण आग, दमकल की तीन टीमें मौके पर जुटीं

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत परीं स्थित एक बंद राइस मिल के गोदाम में गुरुवार को भीषण आग लग गई। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

जानकारी के अनुसार, बंद पड़े गोदाम से अचानक धुआं और आग की लपटें उठने लगीं। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की तीन टीमें मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने के प्रयास में जुट गईं। बताया जा रहा है कि पिछले 3 से

4 महीनों के भीतर यह दूसरी बार है जब इसी गोदाम में आग लगी है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि गोदाम में किस सामग्री में आग लगी और इससे कितना नुकसान हुआ है। पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंचकर स्थिति पर नजर बनाए हुए है। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

धमधा में जनगणना कर्मी से मारपीट

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जनगणना करने वाले शासकीय कर्मचारी का सहयोग न कर मारपीट व दुर्व्यवहार करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी जनगनणा के लिए पहुंचे कर्मचारी को जानकारी देने के बजाय विवाद करने लगा। शिकायत मिलने पर पुलिस ने कार्रवाई की है। 13 मई को प्रार्थी अशोक कुमार देवांगन, उम्र 32 वर्ष, निवासी देवांगन पारा थाना धमधा जिला दुर्ग द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

रिपोर्ट में उसने बताया कि 12 मई को पटेल होटल धमधा में जनगणना संबंधी शासकीय कार्य के दौरान आरोपी संतोष पटेल निवासी धमधा द्वारा वाद-विवाद कर शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न की गई।

प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना धमधा में धारा 296, 221 बीएनएस एवं जनगणना अधिनियम 1948 की धारा 11 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। मामले में पुलिस ने आरोपी संतोष पटेल को गिरफ्तार कर लिया है। उक्त कार्यवाही में थाना धमधा के उप निरीक्षक श्रीराम पेंड्रुओ पेड्रो एवं थाना स्टाफ की सराहनीय भूमिका रही।

दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि शासकीय कार्यों में सहयोग प्रदान करें तथा किसी भी शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न न करें। कानून व्यवस्था प्रभावित करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

शादी से बचने युवक ने किया डबल मर्डर, हाईकोर्ट बोला - बेहद क्रूर और बर्बर घटना, उम्रकैद बरकरार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के रायपुर में प्रेमी ने अपनी प्रेमिका का गला रेत कर हत्या कर दी। उसकी बेटी को भी रेलवे ट्रैक पर लिटाकर मार डाला। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने इस दोहरे हत्याकांड के आरोपी की अपील खारिज करते हुए उसकी उम्रकैद की सजा बरकरार रखी है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल ने इसे वारदात को बेहद क्रूर और बर्बर करार दिया है।

दरअसल, रायपुर के तेलीबांधा क्षेत्र में रहने वाले विक्की उर्फ सुखीराम यादव के खिलाफ युवती ने पहले दुष्कर्म का केस दर्ज किया था, जिस पर वह जेल भी गया था। जमानत पर बाहर आने के बाद युवती उस पर शादी के लिए लगातार दबाव बना रही थी। युवती का कहना था कि वो शादी नहीं करेगा तो उसे रेप केस में कोर्ट में सजा दिलवाएगी।

शादी से बचने प्रेमिका को मार डाला, उसकी बेटी को रेलवे ट्रैक पर छोड़ा

इसी विवाद के चलते 22 जनवरी 2021 की रात विक्की ने युवती को जोरा मैदान के पास मिलने बुलाया। इस दौरान उसे चाकू से उसका गला काट दिया। इसके बाद उसने साक्ष्य छिपाने और पकड़े जाने के डर से मृतका की छोटी बेटी को पास के ही रेलवे ट्रैक पर ले जाकर लेटा दिया। इस दौरान मालगाड़ी से कटकर बच्ची की मौत हो गई।

ट्रायल कोर्ट ने सुनाई है उम्रकैद की सजा

दूसरे सुबह आरोपी ने खुद गांव के पूर्व सरपंच रिखीराम साहू के पास जाकर अपना जुर्म कबूल किया, जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया। ट्रायल कोर्ट ने 19 जुलाई 2022 को उसे आईपीसी की धारा 302 यानी हत्या और धारा 201 यानी सबूत छिपाने का दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी। आरोपी ने इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की थी।

हाईकोर्ट ने माना सुनियोजित हत्या

हाईकोर्ट में आरोपी की ओर से दलील दी गई कि, यह घटना अचानक आए गुस्से के कारण हुई और वह मानसिक रूप से ठीक नहीं था। हाईकोर्ट ने इन दलीलों को खारिज करते हुए कहा कि आरोपी द्वारा पहले से दी गई धमकियां और चाकू लेकर मौके पर पहुंचना यह साबित करता है कि यह एक सोची समझी हत्या थी।

हाईकोर्ट ने डीएनए और एफएसएल रिपोर्ट को आधार मानते हुए कहा कि चाकू और आरोपी के कपड़ों पर मिला इंसानी खून उसकी संलिप्तता को पूरी तरह साबित करता है।

जमीन बेचने के नाम पर ठगे 28 लाख: दूसरे की जमीन दिखाकर लिए पैसे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पीड़ित की शिकायत पर आजाद चौक थाना पुलिस ने मेसर्स राजश्री प्रॉपर्टीज के पार्टनर अनिल अग्रवाल, सपना सिंघानिया और रमेश सिंघानिया के खिलाफधोखाधड़ी और आपराधिक साजिश का केस दर्ज किया है।

प्रगति विहार निवासी पंकज चिजवानी ने पुलिस को बताया कि वर्ष 2023 में उनकी मुलाकात जमीन दलाल जसमीत सिंह, सुनील रंगलानी और मुदित सोमवंशी से हुई थी।

दलालों ने उन्हें मोवा स्थित अशोका रतन के पीछे करीब 10,300 वर्गफीट जमीन दिखाई। बताया गया कि यह जमीन राजश्री प्रॉपर्टीज की है और इसका सौदा 1400 रुपए प्रति वर्गफीट के हिसाब से तय

सिंघानिया-अग्रवाल समेत तीन पर केस दर्ज

हुआ।

शिकायत के मुताबिक, पंकज ने बतौर बयाना 28 लाख रुपए दिए। इसमें 12 लाख नकद और 16 लाख रुपए के दो चेक शामिल थे। आरोप है कि अनिल अग्रवाल और रमेश सिंघानिया ने जमीन को अपनी बताते हुए विक्रय इकरारनामा भी कराया। पैसे लेने के बाद आरोपियों ने जमीन पर बाउंड्रीवाल कराने और नाम लिखवाने तक की अनुमति दे दी।

हालांकि कुछ दिन बाद सीमांकन के दौरान पूरा मामला खुल गया। पटवारी और आरआई की मौजूदगी में एक अन्य व्यक्ति अनिल जैन ने जमीन पर अपना दावा किया। जांच में पता चला कि राजश्री प्रॉपर्टीज द्वारा बताए गए खसरा नंबर मौके पर मेल ही नहीं खा रहे थे।

पीड़ित का आरोप है कि विवाद सामने आने के बाद आरोपियों ने पहले कोर्ट में मामला सुलझाने का भरोसा दिया, लेकिन करीब ढाई साल बीतने के बाद भी न जमीन मिली और न ही पैसे लौटाए गए। लगातार टालमटोल किए जाने के बाद अब पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

आजाद चौक थाना के निरीक्षक रितेश मिश्रा ने बताया, कि पीड़ित की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। मामलें में जांच की जा रही है। आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

एसिड फेंककर जिंदा जलाने की कोशिश, किशोर गंभीर रूप से घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत गणेश चौक में मोहल्ले के ही एक युवक ने 17 वर्षीय किशोर पर तेजाब फेंककर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में किशोर का चेहरा, सीना और पैर बुरी तरह झुलस गए, जिसके बाद पूरे क्षेत्र में तनाव फैल गया। स्थानीय स्त्रोतों के अनुसार, हमला गणेश चौक के पास उस समय हुआ जब किशोर अपने घर के पास था तभी मोहल्ले के एक व्यक्ति ने अचानक तेजाब फेंककर उसे बुरी तरह झुलसा दिया। तेज चीख सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और तुरंत परिजनों को सूचना दी। घायल किशोर को तत्काल जिला अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टरों ने उसकी स्थिति बेहद गंभीर बताई। चेहरे, सीने और पैर का बड़ा हिस्सा झुलस जाने के कारण उसे बेहतर इलाज के लिए मेकाहारा (रायपुर) रेफर किया गया। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

पुलिस ने साक्ष्य जुटाए हैं तथा हमलावर की पहचान कर ली है। जहां पड़ोसी पर ही हमले का आरोप है और उसकी गिरफ्तारी के लिए दबिश जारी है। हालांकि, हमले की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है, जिससे मामला और संदिग्ध हो गया है।

धमधा नाका सब्जी मंडी में गांजा बेचने वाला गिरफ्तार

दुर्ग। मोहन नगर थाना क्षेत्र में अवैध नशे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस ने सब्जी मंडी धमधा नाका के पास गांजा बेचने के आरोप में विकास यादव उर्फ लासा को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक युवक गांजा रखकर ग्राहक तलाश रहा है। इसके बाद विशेष टीम बनाकर बताए गए स्थान पर घेराबंदी की गई और संदेही को पकड़कर वैधानिक प्रक्रिया के तहत तलाशी ली गई। तलाशी में झिल्ली के भीतर 2.064 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ, साथ ही बिक्री की नगद रकम 740 रुपए भी जब्त की गई। मामले में एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(ख) और 27(क) के तहत अपराध दर्ज कर आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950